mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-145 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
28 मई 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रोहित-कोहली ...

@ पेज 7

पुलिस ने शादी रुकवाई, पिता बोला- पैसा है, डीजे भी बजेगा और शादी भी होगी

रीवा (एजेंसी)। रीवा जिले के ग्राम बवंधर में बाल विवाह की कोशिश को पुलिस और महिला बाल विकास विभाग की टीम ने नाकाम कर दिया। मंगलवार को होने वाली शादी में दूल्हा-दुल्हन दोनों नाबालिग निकले। दुल्हन की उम्र

● **रीवा में बाल विवाह को लेकर पुलिस-परिजन आमने-सामने**

16 वर्ष थी, जबकि कानून के अनुसार लड़की की शादी की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष है।
पुलिस को सूचना मिली कि चंदई गांव से बारात आने वाली है। इस पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और शादी रुकवा दी। हालांकि लड़की के पिता शीलेश यादव अभी भी शादी कराने पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कैमरे के सामने कहा, मैं शादी करवा कर मानूंगा, डीजे भी बजवाऊंगा, मेरे पास पैसा है।
जानकारी के अनुसार, परिवार ने एक माह पहले से शादी की तैयारियां शुरू कर दी थीं। टेंट, डीजे और डेकोरेशन का प्रबंध किया जा चुका था। रिश्तेदारों और दूर-दराज के गांवों में निमंत्रण पत्र भी भेजे जा चुके थे। पुलिस के समझाने पर भी परिजन नहीं माने, लेकिन प्रशासन की सख्ती के बाद उन्हें समझ आया।
बाल विवाह कराने की कोशिश पर होगा केस: एसपी विवेक सिंह ने बताया कि बाल विवाह पूरी तरह प्रतिबंधित है। पुलिस अभी भी नजर रख रही है और यदि बाल विवाह कराने की कोशिश की गई तो अपराध दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा क्योंकि यह कानूनन अपराध है।रीवा में बाल विवाह को लेकर पुलिस और यादव परिवार के बीच ठन गई है। दरअसल जिले के ग्राम बवंधर में शादी के कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। आज मंगलवार को बारात आनी थी, इसके पहले दरवाजे पर पुलिस पहुंच गई।
उधर चंदई गांव से बारात आने के तैयारी फिर भी जारी रही तो पुलिस और प्रशासन ने फिर सख्ती की। उधर लड़की का पिता शीलेश यादव अभी भी लड़की की शादी करवाने में तुला हुआ है। वह कैमरे में कहता हुआ नजर आया कि मैं शादी करवा कर मानूंगा,डीजे भी बनवाऊंगा,मेरे पास पैसा है।
बताया गया कि आज सूचना पाकर मौके पर पहुंची महिला बाल विकास की टीम भी पहुंची। 16 साल की लड़की के नाबालिग होने की वजह से शादी रूकवाई गई। जानकारी के मुताबिक पहले लड़की की विवाह की उम्र 18 साल थी। जो कुछ सालों पहले ही बढ़ाकर 21 साल कर दी गई है। उधर रीवा में नाबालिग की शादी करने की कोशिश की गई। उधर लड़के की उम्र भी कम है और वो भी नाबालिग है।
बता दें कि शादी के लिए बाकायदा रिश्तेदारों से लेकर दोस्तों और आसपास और दूर दराज के कई गांवों में विवाह का आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका था। जिसमें वर वधु और दंपती को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचने के लिए अपील की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में अब शिक्षकों ने बंद किया काम

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। लोगों में गुस्सा, सड़कों पर हंगामा, हड़ताल और काम बंदी आम बात हो गई है। हालात ऐसे हैं कि सेना और सियासी दलों के बढ़ते दबाव में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को अब एक नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी कर्मचारी लगातार यूनुस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं तो वहीं अब प्राथमिक सहायक शिक्षक एकता परिषद के बैनर तले हजारों प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने पूरे बांग्लादेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। ढाका स्थित प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षक वेतन में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षक 5 मई से आंशिक रूप से काम से दूर रहे थे, लेकिन सोमवार को उन्होंने पूरी तरह से काम बंद कर दिया। ढाका स्थित समाचार पत्र न्यूएजबीडी ने मंगलवार को बताया कि प्राथमिक शिक्षकों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल बांग्लादेश के शहरों और जिलों में असमान रूप से देखी जा

रही है। ढाका में, सुत्रपुर, डेमरा और गुलशन जैसे इलाकों में कई शिक्षकों ने कक्षाएं संचालित कीं, लेकिन प्रशासनिक कार्यों से परहेज किया। इसके विपरीत, चटगांव और रंगमती के पूर्वी शहरों में हड़ताल अधिक व्यापक थी, जहां शिक्षकों ने सभी शिक्षण कार्यों से परहेज किया। न्यूएजबीडी की रिपोर्ट के अनुसार, राजशाही और रंगपुर में पूरे दिन और आंशिक हड़तालों का मिलाजुला असर देखा गया, जबकि बरिशाल पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। शिक्षकों की तीन सूत्रीय मांगों में राष्ट्रीय वेतनमान पर 11वीं कक्षा में उनका प्रारंभिक वेतन निर्धारित करना, 10 और 16 वर्ष की सेवा के बाद उच्च ग्रेड प्राप्त करने से संबंधित मुद्दों का समाधान करना और सभी प्रधानाध्यापक पदों को भरने के लिए सहायक शिक्षकों को पदोन्नत करने सहित तेजी से पदोन्नति सुनिश्चित करना शामिल है।

रूस ने यूक्रेन को दिया बहुत बड़ा झटका

कीव (एजेंसी)। रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में 4 सीमावर्ती गांवों पर कब्जा कर लिया है। एक स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कुछ दिन पहले कहा था कि उन्होंने सीमा पर एक बफर जोन स्थापित करने का आदेश जारी किया है। इस बीच यूक्रेन के सुमी क्षेत्र के गवर्नर ने कहा है कि रूस की सेना ने यूक्रेन के इलाके में बफर जोन बनाने के इरादे से गांवों पर कब्जा किया है। युद्ध विराम सुनिश्चित करने और शांति वार्ता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में कई महीनों से किए जा रहे प्रयासों के बावजूद रूस की ओर से हमलों को रोकने का कोई संकेत नहीं दिया जा रहा है। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने तीन साल में पहली बार प्रत्यक्ष वार्ता के लिए इस महीने की शुरुआत में तुर्किये में

मुलाकात की थी। बड़े पैमाने पर कैदियों की अदला-बदली ही एकमात्र ठोस परिणाम रहा है, लेकिन वार्ता से कोई महत्वपूर्ण सफलता नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार और रविवार के बीच रूस ने यूक्रेन पर लगभग 900 ड्रोन दागे। रूस ने रविवार की रात यूक्रेन के खिलाफ सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया, जिसमें 355 ड्रोन दागे गए थे। यूक्रेन की वायु सेना ने मंगलवार को बताया कि सोमवार से मंगलवार तक रूस ने यूक्रेन पर 60 ड्रोन दागे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने सात रूसी क्षेत्रों में रात भर में यूक्रेन के 99 ड्रोन को मार गिराया।

मानसून के आगमन को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया ताजा पूर्वानुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग की तरफ से जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल सामान्य से अधिक बारिश होगी। मौसम विभाग ने मंगलवार को कहा कि भारत में बारिश औसत से 106 प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है। यह अनुमान अप्रैल में लगाए गए पूर्वानुमान से ज्यादा है। भारत में दीर्घावधि औसत वर्षा 868.6 मिमी है। मौसम विभाग ने कहा कि मानसून सीजन (जून से सितंबर) 2025 के दौरान पूरे देश में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि जून से सितंबर 2025 के दौरान, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी जून के अंतिम सप्ताह में जुलाई की वर्षा का पूर्वानुमान जारी करेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून एक सप्ताह पहले 24 मई को केरल में दस्तक दी। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सामान्य शुरुआत की तारीख 1 जून है। अगले 2-3 दिनों के दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंच सकता है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के शेष हिस्सों और पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम संबंधी स्थितियां अनुकूल हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक संज्ञान लिया

गंदे नाले से होकर गुजरने की मजबूर हैं राजपूताना राइफल्स के जवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने उस खबर पर न्यायिक संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि राजपूताना राइफल्स के 3,000 से अधिक सैनिकों को दिल्ली के छावनी क्षेत्र में बैरकों से निकलकर 'परेड ग्राउंड' तक पहुंचने के लिए 'बदबूदार और गंदे नाले' से होकर गुजरना पड़ता है।
इसे 'अस्वीकार्य स्थिति' बताते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों से उस स्थल पर एक पुल बनवाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन इसे अभी तक नहीं बनाया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट की जज प्रतिभा एम सिंह और जज मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने इस मामले में दिल्ली छावनी बोर्ड को नोटिस जारी किया है।
29 मई को मामले की अगली सुनवाई
कोर्ट ने 29 मई तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 मई तय की है। पीठ ने कहा, 'यह कोर्ट 26 मई, 2025 की एक खबर पर न्यायिक संज्ञान लेती है,

जिसमें कहा गया है कि राजपूताना राइफल्स के 3,000 से अधिक सैनिकों को अपने बैरकों से बाहर निकलने और परेड ग्राउंड में जाने के दौरान एक नाले से गुजरना पड़ता है, जो बदबूदार और गंदा है।'
पीठ ने 26 मई के अपने आदेश में कहा कि सैनिकों को दिन में चार बार इस नाले से गुजरना पड़ता है। बताया गया है कि वो नाला पानी-कीचड़ से भरा हुआ है, जिसकी कहीं-कहीं गहराई कमर तक है।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने नवजात बच्ची का नाम विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर रखा

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे पीसी शर्मा की पोती का नाम विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर व्योमिका रखा है। गौरतलब है कि जहां ऑपरेशन सिंदूर के लिए दुनियाभर में भारतीय सेना के शौर्य साहस और

पराक्रम की प्रशंसा की जा रही है और जगह-जगह सिंदूर यात्राएं निकाली जा रही हैं, वहीं ऑपरेशन सिंदूर की आइकन बन चुकीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर लोग अपने बेटियों के नाम रखने की शुरुआत कर चुके हैं। पहलगाम में हुए कायराना हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को घुटने पर ला देने वाली सेना के बहादुरी भरे कारनामों की पल-पल की जानकारी देने वाली महिला अफसर व्योमिका सिंह की ख्याति तेज दुनिया में फैल चुकी है।

रीवा में शराब दुकानों पर नहीं लगाई रेट लिस्ट, मनमाने दाम पर बिक्री

आबकारी अधिकारी पर संलिप्तता का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

रीवा (एजेंसी)। रीवा शहर की शराब दुकानों में निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर शराब बेचे जाने की शिकायत कलेक्टर कार्यालय में की गई है। मामले में आबकारी अधिकारी अनिल जैन की संलिप्तता के आरोप लगे हैं। ग्राहकों द्वारा बनाए गए कई वीडियो भी सामने आए हैं।
अधिवक्ता बीके माला ने कहा- ÷जगजाहिर होने के बावजूद यदि यह सब आबकारी अधिकारियों के संज्ञान में नहीं है, तो यह उनकी संलिप्तता की ओर इशारा करता है। आरोप है कि जिले में शराब कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि लाइसेंसी दुकानों के ठेकेदारों को न तो नियम-कानून का भय है और न ही आबकारी विभाग का।

निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर बेचने का आरोप: उन्होंने आरोप लगाया कि शराब दुकानों में नियमों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। इनमें निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री, अवैध अहाता संचालन, रेट सूची न लगाना और निर्धारित समय के बाद भी देर रात तक बिक्री शामिल है। दुकानों के सामने गुर्गे रखे जाते हैं, जो दर पर सवाल करने वालों की पिटाई करते हैं। इस तरह की घटनाओं के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं।
कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा, मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी शराब दुकानों में रेट सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए।

आतंकियों की भर्ती बंद नहीं कर रहा पाक

ओवैसी ने कुवैत में पाकिस्तान की खोली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की पोल खोलने विदेश गए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में ग्रुप -1 के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कुवैत में रह रहे भारतीय प्रवासियों के एक समूह को संबोधित किया। इस मौके पर ढ्ढरूढ्ढरूप्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि पाकिस्तान को स्न्ञ्जस्न (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में लाया जाएगा और यह बहुत महत्वपूर्ण है। अन्यथा, पाकिस्तान आतंकवादियों की भर्ती बंद नहीं कर रहा है।
पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता: उन्होंने कहा कि जर्मनी में स्न्ञ्जस्न की ग्रे लिस्ट के बारे में पिछली बैठक से पहले, पाकिस्तान कह रहा था कि साजिद मीर मर चुका है। साजिद मीर मुंबई में हुए 26/11 के भयावह आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं और योजनाकारों में से एक था... उस समय तक, पाकिस्तान कह रहा था कि वह मर चुका है। लेकिन जब स्न्ञ्जस्न की बैठक हो रही थी, तो तुरंत पाकिस्तान आया और कहा कि वह जीवित

है और हमारी अदालतों ने उसे सजा भी सुनाई है। इसलिए, पाकिस्तान में लोग मर सकते हैं, लोग जीवित भी हो सकते हैं। इस तरह से, वहां पूरा सिस्टम काम करता है। इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अब ढ्ढस्न्न ने बहुत सारी शर्तें रखी हैं। लेकिन हमें लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है।
अवैसी ने कहा कि पाकिस्तान को स्न्ञ्जस्न की ग्रे लिस्ट में वापस लाना होगा और इसके लिए, क्योंकि कुवैत के पास त्नष्टष्ट के महासचिव हैं, उन्हें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। ओवैसी ने कुवैत और खाड़ी सहयोग परिषद (त्नष्टष्ट) से भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में कृषि दल हर पंचायत का दौरा करें

कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा

रीवा (एजेंसी)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरण के बिना किसी कार्यवाही के एल-1 से एल-2 में जाने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सभी आवेदन एक सप्ताह में निराकृत करें। सीएम मानिट के बिन्दुओं पर भी कार्यवाही करके पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। सभी संभागीय अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करके जल गंगा संवर्धन अभियान की मानीटरिंग करें। अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान करके भी भागीदारी निभाएं।
कमिश्नर ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। संयुक्त संचालक कृषि अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों के

जिलेवार दल तैनात कर दें। कृषि दल निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार प्रत्येक पंचायत का अनिवार्य रूप से भ्रमण करें तथा किसानों को खेती को बेहतर करने के उपाय बताए। भ्रमण के दौरान ड्रोन का भी प्रदर्शन अनिवार्य रूप से कराएं। आगामी फसल की तैयारी के लिए खाद और बीज का समय पर भण्डारण सुनिश्चित करें। किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर वैकल्पिक खाद के उपयोग की जानकारी दें। खाद का अग्रिम उठाव और प्रत्येक समिति में भण्डारण सुनिश्चित करें। किसानों की मांग के अनुरूप उन्नत किस्म के बीज उन्हें उपलब्ध कराएं। निजी क्षेत्र से बीज वितरण की भी सतत निगरानी रखें।
बैठक में कमिश्नर ने कहा कि मई माह में सेवानिवृत्त होने वाले सभी शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण सात दिवस में ऑनलाइन दर्ज कराकर पेंशन कार्यालय को प्रस्तुत कर दें। कमिश्नर ने कहा कि आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभाग शासन के निर्देशों के अनुरूप पूरी तैयारी कर लें। संभाग के बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन करके राहत और बचाव कार्य के लिए पूरी कार्ययोजना तैयार कर लें। लोक निर्माण विभाग तथा सेतु विभाग के अधिकारी अधिक वर्षा में जलमग्न होने वाले मार्गों और पुलों में संकेतक लगाकर उनके फोटो सहित प्रतिवेदन सात दिवस में प्रस्तुत करें। नेशनल हाइवे तथा अन्य प्रमुख सड़कों में वाहन दुर्घटना से मृत पशुओं के निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

हनीमून के लिए शिलांग गया कपल लापता, विवाह का वीडियो आया सामने

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर से हनीमून पर शिलांग घूमने गए कारोबारी और उसकी पत्नी लापता हो गए। 15 दिन पहले ही दोनों की शादी हुई थी। विवाह के बाद मेघालय के शिलांग में हनीमून मनाने गए थे। दंपति की गाड़ी शिलांग के संवेदनशील इलाके में मिली है। फिलहाल शिलांग पुलिस के साथ ही इंदौर क्राइम ब्रांच भी इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।जानकारी के मुताबिक, इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी (30 वर्ष)

और सोनम रघुवंशी (25 वर्ष) की 11 मई को इंदौर में शादी हुई थी। विवाह के बाद दोनों गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शन करने पहुंचे। यहां दर्शन के बाद 23 मई को मेघालय के शिलांग पहुंचे। इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने बताया कि मेघालय पुलिस से संपर्क किया गया है। मुख्यमंत्री को भी इस पूरे मामले की जानकारी दी जा रही है। दंपतियों को ढूंढने के लिए घने जंगल में रेस्क्यू तेज कर दिया गया है। भाई सचिन रघुवंशी ने बताया कि घर से दूल्हा-दुल्हन के परिवार के मेघालय के लिए निकल चुके हैं। आला अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। दोनों को घने जंगल में ढूंढने के लिए रेस्क्यू दल भी पहुंच चुका है।

शासकीय शालाओं के विद्यार्थियों की सहभागिता से सांस्कृतिक आयोजन अनुगूँज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुगूँज मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वैश्विक शिक्षा प्रणाली साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, ऑर्ट और मेथेमेटिक्स की दिशा में कला से समृद्ध शिक्षा का आयोजन है, जिसमें विद्यार्थी अपनी कलात्मक, सांस्कृतिक अभिरुचियों का प्रदर्शन करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कला और संस्कृति के समावेश की दिशा प्रशस्त करती है। इस आयोजन में आत्मानुशासन, लगन, उत्साह और जोश के साथ विभिन्न शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी अपनी अभिव्यक्ति को नये सौपान देने का प्रयास करते हैं। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर अनुगूँज के आकल्पन को साकार और सार्थक करने के लिये प्रदेश के ख्याति प्राप्त संस्कृति धर्मियों को मेंटर्स के रूप में संयोजित किया जाता है।

जहां कचरा पड़ा रहता था, वहां वॉकिंग ट्रैक-ओपन जिम होगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। डीआरपी लाइन में पहले जहां कचरा डाला जाता था, वह 2.5 एकड़ का मैदान अब लोगों के आकर्षण का केंद्र होगा। डिजाइन तैयार करने के साथ काम शुरू हो गया है। यहां 400 मीटर का वॉकिंग ट्रैक, 400 फीट लंबा एक्यूप्रेशर ट्रैक, ओपन जिम, चिल्ड्रन पार्क और इंडोर स्टेडियम बनाया जा रहा है। इन सब पर करीब 50 लाख रुपए खर्च आएगा। 30 लाख रुपए विधायक निधि से मिल चुके हैं। आरआई जयसिंह तोमर ने बताया कि ढाई एकड़ का यह मैदान लंबे समय से बेकार था। एक होटल का मलबा डालने के बाद यहां झाड़ियां उग आई थीं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में इस मैदान को विकसित करने की योजना तैयार हुई। 20 दिन पहले इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। मैदान को एक जैसा करने के लिए 100 डंपर मिट्टी डाली गई है। अगले एक महीने में यहां वॉकिंग ट्रैक तैयार हो जाएगा।

अब लालघाटी से गोविंदपुरा तक 42 साल पुरानी 13 किमी लंबी एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन बदलने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी पुरानी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों को अत्याधुनिक तकनीकी लाइनों में बदलने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। भोपाल में अब लालघाटी से गोविंदपुरा तक बिछी 42 साल पुरानी, 13 किमी लंबी, 132 केवी क्षमता की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन बदलने की तैयारी की जा रही है। इसका खाका तैयार कर लिया गया है। इससे पहले कंपनी ने सूखी सेवनिया स्थित 400 केवी के सबस्टेशन से गोविंदपुरा स्थित 200 केवी सबस्टेशन तक बिछी 25 किमी लंबी, 132 केवी की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन की जगह एचटीएलएस (हाई टेंपरेचर लो सेग) कंडक्टर यानी तार बिछाए थे। इसमें डेढ़ गुना लोड सहने की क्षमता है। परंपरागत तार 43 डिग्री से ऊपर 260 मेगावाट भार ही बर्दाश्त कर सकता है। जबकि, नई लाइन 120 डिग्री तापमान और 400 मेगावाट लोड सहन कर सकती है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि कंपनी ने भोपाल शहर की प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रदेश के किसी शहर में पहली बार यह प्रयोग किया। इससे एक चौथाई आबादी को फायदा होगा।

आईटीसी ब्लॉक करने से पहले अब सुनवाई का मौका मिलेगा-सुप्रीम कोर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जीएसटी अधिकारी व्यापारियों को बिना सुनवाई का मौका दिए उनकी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) ब्लॉक नहीं कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एक निजी फर्म के बारे में हाल में इसको लेकर निर्णय दिया है। रेड के दौरान कुछ गड़बड़ी मिलने पर आमतौर पर सीधे व्यापार से जुड़ी आईटीसी विभाग द्वारा ब्लॉक कर दी जाती है। साल 2022 में इंदौर में कार्रवाई के बाद 700 करोड़ का बड़ा फर्जी आईटीसी नेटवर्क मिला था।

सड़कों पर ही गाड़ियां खड़ी होने से जाम व हादसों का खतरा बढ़ा, मल्टीलेवल पार्किंग पर कार डीलरों का कब्जा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में पार्किंग की सुविधा नहीं है। लिहाजा, गाड़ियां सड़क पर ही खड़ी रहती हैं। इससे न सिर्फ जाम लगता है बल्कि दुर्घटनाएं और वाहन चोरी भी बढ़ रही हैं। अभी शहर में कुल 18 लाख वाहन इस्तेमाल हो रहे हैं। ट्रैफिक इंजीनियरिंग के सिद्धांत के अनुसार, इनमें से एक तिहाई यानी 6 लाख गाड़ियों के लिए हर समय पार्किंग की जरूरत होती है।

इनमें 60 प्रतिशत दोपहिया, 25 प्रतिशत चार पहिया और 15 प्रतिशत भारी वाहन हैं। शहर में नगर निगम की 48 पार्किंग हैं। इनकी क्षमता 4,416 दोपहिया और 3,962 चार पहिया वाहन की है। सरकारी और निजी दोनों को मिला लें तो 2 लाख वाहनों के लिए ही पार्किंग स्पेस हैं। एमपी नगर आने वाले वाहनों में से 10 प्रतिशत ही पार्किंग में खड़े होते हैं। बाकी सड़क पर रहते हैं। मल्टीलेवल पार्किंग की दूसरी मंजिल पर कार डीलरों ने कब्जा कर रखा है, जबकि बाहर सड़क पर वाहन खड़े रहते हैं। न्यू मार्केट की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है।

गांधीनगर से पीरगेट - गांधीनगर से लालघाटी होते हुए पीरगेट तक 8.4 किमी के दायरे में निगम की पार्किंग नहीं है। गांधीनगर और लालघाटी के बाजारों में गाड़ियां खड़ी कर देने से जाम लगा रहता है। बैरागढ़ की एकमात्र मल्टीलेवल पार्किंग हमेशा फुल रहती है। दुकानदार व ग्राहक दुकान के बाहर वाहन खड़े कर देते हैं। लिहाजा, बीआरटीएस लेन में भी निजी वाहन चलते हैं।

मोतिया तालाब से भोपाल स्टेशन-मोतिया तालाब रास्ते पर अस्पतालों के पास निगम ने कोई पार्किंग व्यवस्था नहीं की है। वाहन सड़क पर खड़े होने से अन्य वाहनों के निकलने की जगह नहीं बचती। हमीदिया रोड, टीला जमालपुरा, पीजीबीटी कॉलेज, नादरा बस स्टैंड, जुमेराती, छोला रोड, निशातपुरा, ऐशबाग, बुधवारा, चौक बाजार, मंगलवारा, घोड़ा नक्कास, जहांगीराबाद, जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी यही हाल है।

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 और 6 के पास भी सड़क पर गाड़ियां खड़ी रहती हैं। अशोका गार्डन से ओल्ड सुभाष नगर- अशोका गार्डन, अशोक विहार, 80 फीट रोड, रायसेन रोड, बोगदा पुल, पंजाबी बाग जैसे रहवासी व भीड़ वाले इलाकों में पार्किंग न होने से पैदल चलना भी मुश्किल है। ऐसे समझें परेशानी... 6एमपी नगर से कोकता तक 15 किमी में कहीं निगम की पार्किंग नहीं है। गौतम नगर, कालीबाड़ी रोड, भेल, पिपलानी, जेके रोड, आनंद नगर जैसे भीड़ वाले इलाकों में भी निगम ने पार्किंग नहीं बनाई है। 6चूनाभट्टी से कोलार के रास्ते में एक भी पार्किंग नहीं है। मंदाकिनी, शाहपुरा, बावड़िया कलां, त्रिलंगा, गुलमोहर कॉलोनी में पीक ऑवर में जाम लगता है। नगर निगम के अपर आयुक्त (प्रभारी पार्किंग) हर्षित तिवारी ने बताया कि होशंगाबाद रोड, कोलार रोड और रायसेन रोड पर नए सार्वजनिक पार्किंग स्थल चिह्नित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में शहरी क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग शहरी क्षेत्र की महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिये उन्हें रोजगार से जोड़ने के लगातार प्रयास कर रहा है। प्रदेश के 55 नगरीय निकायों में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत अमृत मित्र के रूप में 312 स्वसहायता समूह की एक हजार 28 महिला सदस्यों को जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य सौंपा गया है।

इस कार्य के लिये महिलाओं को करीब 3 करोड़ रूपये की राशि के कार्य आदेश जारी किये गये हैं। नगरीय निकायों ने महिला स्वसहायता समूहों को बगीचों के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी सौंपी है। केन्द्र सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम %वुमन फॉर ट्रीज में स्वसहायता समूहों की महिलाओं को लगाये गये पौंधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गयी है इसके ऐवज में उन्हें आर्थिक सहायता दी जायेगी। शहरी क्षेत्र के महिला स्वसहायता समूहों को केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्र के 211 स्वसहायता समूह के 1142 समूह सदस्यों को 3 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि एरिया लेबल फेडरेशन के माध्यम से सौंपी गयी है। राज्य सरकार का प्रयास है कि ये महिलाएं इन गतिविधियों से जुड़कर लखपति दीदी बनें।

सीवेज लाइन के लिए खुदाई, निगम का दावा- 1 महीने में सड़क ठीक कर देंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बरसात सिर पर है। प्री-मानसून गतिविधियाँ जोर पर हैं। शहर में सीवेज नेटवर्क बिछाने के लिए खुदाई शुरू हो गई है। हर बार ऐसी परिस्थितियों में सड़कों पर गड्ढे हो जाते हैं। बरसात में लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। नगर निगम का दावा है कि इस बार ऐसा नहीं होगा। एक दिन में जितनी खुदाई करेंगे, उतने हिस्से को उसी दिन भर दिया जाएगा। प्रोजेक्ट अमृत-2 के तहत चार इमली, बिट्टन मार्केट से शाहपुरा, सूरज नगर और गोरा गांव में सीवेज नेटवर्क बिछाने का काम शुरू हो गया है। सीवेज लाइन सड़क के किनारे से बिछाई जा रही है। रोड पर खुदाई करने से पहले कटिंग करनी पड़ेगी -नगर निगम सीवेज शाखा के प्रभारी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर आरके त्रिवेदी ने बताया कि कांट्रेक्टर को स्पष्ट निर्देश हैं। जहां सड़क खोदने की जरूरत होगी, वहां सीधे खुदाई नहीं होगी। पहले मशीन से सड़क को काटा जाएगा। इसके बाद उस पर हैमर यानी हथोड़ा चलेगा। फिर खुदाई होगी। ऐसा करने से सड़क का शेष हिस्सा खराब नहीं होगा। निगम का दावा है कि जिस दिन खुदाई करेंगे, उसी दिन गड्ढे को भर देंगे। एक महीने के भीतर सड़क का रेस्टोरेशन किया जाएगा। इसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सड़क की स्थिति पहले जैसी हो जाए। रेस्टोरेशन पर निगरानी के लिए एक टीम भी बनाई गई है। यह सड़क ठीक से सुधरे इस पर ध्यान रखेगी। प्रशासन अकादमी के सामने सीवेज लाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई से निकली मिट्टी को शाहपुरा तालाब के किनारे पटक दिया गया था।

जबकि उसे बंसल अस्पताल के पास खाली जमीन पर पटकने को कहा गया था।

कोविड-19 अलर्ट के बीच एम्स ने बनाई टास्क फोर्स

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कोविड-19 अलर्ट के बीच एम्स भोपाल में टास्क फोर्स का गठन किया गया है। प्रबंधन के अनुसार यह टीम किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी रूप से निपटने के लिए बनाई गई है। आरटी-पीसीआर जांच भी हो रही है, जिससे कोविड संक्रमण की सटीक पहचान संभव है। एम्स ने इसको लेकर सोमवार को आधिकारिक सूचना जारी की है। जिसमें आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि किसी व्यक्ति कोविड जैसे लक्षण हों या किसी कोविड-पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आएं हों, तो वह जांच जरूर कराएं। एक डेडिकेटेड कोविड जनरल वार्ड सक्रिय किया गया है। यहां 6 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की गई है। एक आईसीयू भी तैयार किया गया है। जिसमें वेंटिलेटर की सुविधा भी उपलब्ध है। एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि नए वेरिएंट्स को लेकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए एम्स पूरी तरह से तैयार है। संस्थान समय पर जांच और बेहतर हेल्थ सर्विसेज देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक तक सही जानकारी पहुंचे और भय के बजाय सतर्कता को प्राथमिकता दी जाए।

मालवा एक्स. निशातपुरा से चलाने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछले दो साल से तैयार निशातपुरा स्टेशन को शुरू करने के लिए यहां मालवा एक्सप्रेस का स्टॉपेज देने की तैयारी है। रेलवे का प्रस्ताव है कि अभी भोपाल मेन स्टेशन पर आ रही यह ट्रेन निशातपुरा से बीना की ओर चली जाए। यदि ऐसा हुआ तो इसमें भोपाल से जाने वाले 50 प्रतिशत यात्रियों को 5 किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ेगा। जहांगीराबाद से लेकर कोलार रोड, होशंगाबाद रोड और भदभदा रोड के लोगों के लिए ज्यादा परेशानी होगी । विगत कुछ वर्षों में भोपाल का विकास दक्षिणी दिशा में ज्यादा हो रहा है, जैसे कटारा हिल्स, बावड़िया, सलैया, कोलार रोड पर नयापुरा आदि। इन स्थानों के लोगों को भोपाल जंक्शन ही बहुत दूर पड़ता है। कभी-कभी तो वहां पहुंचने के भी दो-दो घंटे लग जाते हैं। करना पड़ेगी। कैब और टैक्सी का खर्चा 50 से 150 रुपए तक बढ़ जाएगा। यह मामला जेडआरयूसीसी की जबलपुर में हुई बैठक में सामने आया। मालवा एक्सप्रेस को भोपाल के स्थान पर निशातपुरा से चलाए जाने और स्टॉपेज देने संबंधी प्रस्ताव रेलवे जीएम के माध्यम से भेजा जा चुका है। सांसद आलोक शर्मा तक इस प्रस्ताव पर सहमति जता चुके हैं। जबलपुर में हुई पश्चिम मध्य रेल जोन की क्षेत्रीय उपयोगकर्ता व सलाहकार समिति की मीटिंग में रेलवे जीएम शोभना बंदोपाध्याय के सामने यह मामला उठा।

नर्मदा पथ परिक्रमा के सर्वेक्षण और साफ-सफाई के लिये श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। जिन जिलों में नर्मदा पथ परिक्रमा आती है, उनके सर्वेक्षण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नर्मदा नदी के घाटों की सफाई का कार्य सामूहिक भागीदारी से किया जा रहा है। जन-समुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलायी जा रही है। इसी के साथ आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए व्यापक पौध-रोपण की योजना भी तैयार की जा रही है। देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बालौदा में तालाब गहरीकरण का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों को बताया गया कि तालाब गहरीकरण के काम में तकनीकी मापदण्डों के अनुसार काम करना बहुत ज़रूरी है। इससे ग्रामीणों को तालाब का फायदा लम्बे समय तक मिल सकेगा और जल स्तर भी बढ़ेगा। जिले के बागली विकासखण्ड के ग्राम बरखेड़ा सोमा में सेंधला नदी की साफ-सफाई की एवं गंदगी को बाहर किया गया। जिले में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

ग्रामीणों को इनके इतिहास के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। जिले में कुछ प्राचीन बावड़ियों में जन-भागीदारी से साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मण्डला जिले में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत मधुपुरी में माँ नर्मदा का पूजन-अर्चन गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया। जन-अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक श्री संतोष कुमार झारिया ने जन-सामान्य को नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा का उद्देश्य बताया। इस मौके पर संगोष्ठी में स्थानीय घाटों में मौजूद मठ, मंदिर और आश्रमों में साधु-संतों और परिक्रमावासियों के रुकने की व्यवस्था पर चर्चा की गयी। ग्रामीणों के साथ मिलकर संगोष्ठी के पहले घाट की सफाई की गयी। ग्रामवासियों को नदी को स्वच्छ रखने की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के दौरान गुरु घाट आश्रम मधुपुरी के महंत श्री जुगल दास त्यागी महाराज, मार्कंडेय आश्रम के बलदेव दास महाराज ने ग्रामवासियों को माँ नर्मदा के धार्मिक आस्था के बारे में जानकारी दी।

खनिज लॉकों के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध-प्रमुख सचिव खनिज उमराव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव ने नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में भौमिकी तथा खनिकर्म संचालनालय द्वारा नीलामी प्रक्रिया, वैधानिक स्वीकृतियाँ और ब्लॉक क्रियान्वयन विषय पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रमुख सचिव खनिज श्री उमराव ने कहा कि खनिज ब्लॉकों के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके व्यापक आर्थिक लाभों को रेखांकित किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय कमेटी गठित की गई है, जो नीलामी प्रक्रिया संबंधी कठिनाइयों को दूर करने के तत्काल प्रयास करेगी। खनिकर्म संचालक श्री फ्रैंक नोबेल ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा यह है कि मध्यप्रदेश राज्य में नीलाम हुए खनिज ब्लॉक में उत्पादन शीघ्र प्रारंभ हो। उन्होंने कहा कि इससे राज्य को खनिज राजस्व प्राप्ति हो। कार्यशाला में प्रश्नों के उत्तर दिये गये एवं शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सूचनाप्रद प्रस्तुतियाँ दी गयीं, जिनमें भारतीय खान ब्यूरो प्रतिनिधियों ने खान योजना की तैयारी एवं प्रस्तुति, उनकी महत्ता और मूल्यांकन के दौरान सामान्य त्रुटियों पर प्रकाश डाला। खान योजना स्वीकृति की प्रक्रिया भी समझाई। वन विभाग के प्रतिनिधि ने वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रमुख प्रावधानों, परिवेश पोर्टल के उपयोग तथा वन स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। राज्य पर्यावरण प्रभाग मूल्यांकन प्राधिकरण प्रतिनिधि ने पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन के अनुरूप पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया की जानकारी दी। राजस्व विभाग के प्रतिनिधि द्वारा भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दों एवं प्रक्रियात्मक जटिलताओं पर चर्चा की गयी।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि ने स्थापना सहमति और संचालन सहमति प्रक्रियाओं तथा उनसे संबंधित दिशा-निर्देशों पर प्रकाश डाला। खान मंत्रालय के उप सचिव ने खनिज ब्लॉकों के क्रियान्वयन को सरल एवं शीघ्र बनाने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा किये गये प्रमुख पहलुओं को साझा किया।

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेगी 10 फीसदी पारितोषिक राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी को रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर सूचना देने वालों को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इस राशि में से पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचना देने वालों को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में नियमित कर्मचारी/संविदा कर्मचारी/आउटसोर्स कर्मचारी भी सूचना देने वाला हो सकता है, जिसे सूचना सही पाए जाने पर पायी गयी अनियमितता के विरुद्ध भुगतान हेतु जारी किए गए देयक की पूर्ण वसूली के उपरांत क्षतिपूर्ति राशि का एक प्रतिशत देय होगा। कंपनी ने सूचना प्रक्रिया के बारे में बताया है कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग और भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब सूचना देने वाले को कंपनी के पोर्टल पर गुप्?त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य कर दिया गया है। योजना के अंतर्गत सूचना देने वाले के संबंध में जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचना देने वाले के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। कंपनी द्वारा योजना में सूचना देने वाले को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। कंपनी की वेबसाइट पर जाकर लिंक पर क्लिक करके, सूचना देने वाले द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है एवं उपाय एप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा समस्त नागरिकों के साथ ही आउटसोर्स कर्मचारियों तथा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे गुप्त सूचना देकर, पारितोषिक योजना का लाभ उठाकर कंपनी को सहयोग प्रदान अवश्य करें

उज्जैन सिंहस्थ-मंजूर 7 कामों में से अब तक 1 काम ही शुरू हो सका

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन में साल 2028 में होने वाला सिंहस्थ मप्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से है। हालांकि, सिंहस्थ की नोडल एजेंसी के रूप में काम करने वाला नगरीय विकास एवं आवास विभाग खुद कामों में पिछड़ा हुआ है। अब तक सिंहस्थ मंत्रिमंडल समिति विभाग के 7 काम स्वीकृत कर चुकी है पर सीवरेज का सिर्फ एक प्रोजेक्ट शुरू होकर जारी है। बाकी 6 प्रोजेक्ट अभी टेंडरिंग के अलग-अलग चरणों में हैं। सिंहस्थ महाकुंभ के कामों का समन्वय नगरीय विकास एवं आवास विभाग के हाथों में है। लेकिन, विभाग खुद महाकुंभ के कामों में पिछड़ रहा है। इनमें से 6 कामों की प्रशासकीय स्वीकृति जनवरी 2025 से पहले मिल चुकी थी, जबकि 25 करोड़ से सड़क, शिप्रा पर पुल आदि की स्वीकृति अभी मिलना बाकी है। जुलाई 2024 मे उज्जैन में सीवेज निर्माण के पैकेज 1 और 3 को प्रशासकीय सहमति दे दी थी। 3 फरवरी को वर्क आर्डर जारी होने के बाद ये प्रोजेक्ट जारी है। इसमें 8 किमी की सीवेज लाइन के अलावा 300 मैन होल बनाए जा चुके हैं। इसे फरवरी 2028 तक पूरा किया जाना है। वहीं, जनवरी 2025 में पैकेज 2 को मंत्रिमंडल समिति की सहमति मिली थी, जो अब तक शुरू नहीं हुआ है।

अहिल्याबाई के 'जीवन और दर्शन' विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली जिला सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशों के अनुपालन एवं प्राचार्य डॉ गीता भारती के मार्गदर्शन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर उनके ''जीवन और दर्शन'' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने एक आदर्श शासन व्यवस्था की नींव रखी, भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। उनका महिला सशक्तिकरण सशक्त नारी के आदर्श नेतृत्व को दर्शाता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर बी एल सिंह अयाम द्वारा किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 150 आवेदकों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है।

इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 150 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

मड़वास महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती के उपलक्ष्य में लोकव्यापी ''जनकल्याणी पर्व'' के तारतम्य में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में देवी अहिल्याबाई ''जीवन और दर्शन'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कई छात्र/छात्राओ ने भाग लिया जिसमे प्रथम स्थान पर छात्र पुष्पेंद्र कुमार गुप्ता, द्वितीय स्थान पर सांवली सेन एवं तृतीय स्थान पर प्राची गुप्ता रही। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. आकांक्षा मिश्रा और डॉ. निशा सिंह थी। भाषण प्रतियोगिता में कार्यक्रम संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. ज्योति रजक, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ पंकज मिश्रा डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो.बाबा हरिनन्द, डॉ. राजेश पटेल, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राए उपस्थित थे।

प्रादेषिक सेना (टीए) की रिक्रूटमेंट रैली भर्ती 26 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि प्रादेशिक सेना (टीए) की रिक्रूटमेंट रैली भर्ती 26 मई से 26 जून 2025 तक जैक राइफल रेजीमेंटल सेंटर जबलपुर में आयोजित की गई है। निर्धारित योग्यता रखने वाले इच्छुक/योग्य उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेजों के साथ भर्ती में शामिल हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सतना से प्राप्त कर सकते हैं।

आउटरीच कार्यक्रम का संचालन आज ग्राम चूंद में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि सतना जिले के भूतपूर्व सैनिकों/पूर्व सैनिकों की विधवाओं/ आश्रितों के लिए जैक राइफल्स के अभिलेख कार्यालय जबलपुर द्वारा 28 मई को प्रातः 11 बजे से ग्राम चूंद में एक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन किया जायेगा। इस दौरान भूतपूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित आउटरीच कार्यक्रम में उपस्थित होकर विभिन्न लाभकारी योजनाओं एवं दस्तावेजीकरण संबंधी जानकारी प्राप्त कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 31 मई को भोपाल से सतना एयरपोर्ट का वर्चुअली करेंगे लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आवागमन के साधनों में हवाई सेवा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। सतना में अब तक सामरिक महत्व से निर्माण की गई पुरानी हवाई पट्टी रही है। जिसमें हेलीकाप्टर तथा छोटे विमान ही उतर सकते थे। सतना में 19 सीटर विमानों के आवागमन के लिए नवीन एयरपोर्ट के निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को भोपाल से वर्चुअली समारोहपूर्वक सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। सतना एयरपोर्ट के निर्माण से औद्योगिक नगरी सतना ही नहीं बल्कि पूरे विन्ध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नया आयाम मिलेगा।

सतना स्थित हवाई पट्टी का पुर्ननिर्माण करके 37 करोड रूपये की लागत से आधुनिक स्वरूप का सतना एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। सतना एयरपोर्ट के भवन और रोड वर्क का स्वामित्व 28 दिसंबर 2023 तक लोक निर्माण विभाग के पास रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के छोटे शहरों को नियमित हवाई सेवा से जोडने के संकल्प के तहत सतना में नवीन एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 37 करोड रूपये स्वीकृत किये गये। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा रिकार्ड समय में 31 अक्टूबर 2024 को सतना एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य पूरा कर दिया गया।

भारतीय विमान पत्तन की रेगुलेशन एथारिटी डीजीसीए ने निरीक्षण उपरांत एयरपोर्ट का लायसेंस 20 दिसंबर 2024 को जारी किया। एयरपोर्ट में 1200 मीटर का रनवे तैयार किया गया है। जिसमें 19 सीटर विमान आसानी से उतर सकेंगे। एयरपोर्ट पर एक समय में दो एयर क्राफ्ट पार्क किये जा सकेंगे। एयरपोर्ट में हवाई टर्मिनल बिल्डिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तथा सुरक्षा के लिए बाउंड्रीबाल का निर्माण पूरा हो गया है। यहां 750 वर्गमीटर क्षेत्र में हवाई टर्मिनल बिल्डिंग बनाई गई है। जिसमें 50-50 यात्रियों के एक बार में आवागमन की क्षमता होगी। पीक आवर में यह क्षमता 100 यात्री प्रति घंटे होगी।

एयरपोर्ट सतना डायरेक्टर अशोक गुप्ता ने बताया कि सतना एयरपोर्ट में बडे एयरपोर्ट की तरह सभी आवश्यक सुविधायें छोटे स्वरूप में उपलब्ध कराई गई है। जिनमें ईटीसी, वीआईपी लाउंज, निःशक्तजनों और छोटे बच्चों के लिए विशेष सुविधायें दी गई हैं। उडान के लिए सभी आवश्यक एनओसी प्राप्त कर ली गई है और फायर स्टेशन बिल्डिंग, ट्रांसफार्मर एवं डीजी सेट, एम्बुलेंस एवं सुरक्षा संबंधी सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए 4.5 किमी आपरेशन बाउन्ड्री वाल और 1 किमी प्रापर्टी वाल मिलाकर कुल 5.5 किमी की सुरक्षा बाउन्ड्री तैयार की गई है।

एयरपोर्ट में लोकार्पण के बाद 19 सीटर हवाई जहाजों का आवागमन शुरू हो जायेगा। हवाई सेवा शुरू हो जाने से सतना ही नहीं बल्कि पूरे विन्ध्य क्षेत्र के उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, उपचार सुविधा तथा अन्य क्षेत्रों में विकास के नये अवसर मिलेंगे।

पौधरोपण अभियान के लिए महिलाओं को भ्रमण कराया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगरीय क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना पर्यावरण एवं नागरिकों को स्वस्थ जीवन शैली प्रदान करने एवं महिला स्व सहायता समूह को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 जून से 31 अगस्त 2025 तक पौधा रोपण अभियान चलाये जाने के निर्देश शासन द्वारा दिए गए हैं।

प्रदेश के समस्त निकायों को अभियान पूर्व समस्त तैयारी करते हुए अभियान के दौरान जल संरचनाओं के आसपास कैचमेंट एरिया, हरित क्षेत्र, पार्क, विभिन्न शासकीय संस्थाओं, विद्यालय, महाविद्यालय, जल शोधन संयंत्र के परिसर तथा उपलब्ध रिक्त शासकीय भूमि स्थल चयनित कर/भूमि विवादित न हो इस तथ्य को ध्यान रखते नगरीय निकाय के अधिकारी स्थल का निरीक्षण कर भूमि चयनित करने एवं चयनित भूमि पर अमृत 2.0 एवं डे एनयूएलएम के कन्वर्जेंस के माध्यम से वूमेन फॉर ट्री पौधारोपण अभियान चलाए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

उक्त को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिका परिषद सीधी अंतर्गत कुल तीन स्थलों का चयन किया गया जिसमें अमहा (खुर्द) तालाब, संजय गांधी परिसर में नवीन पार्क एवं मेघदूत पार्क में पौधरोपण का अभियान चलाया जाना है। इसी क्रम में स्व सहायता समूहों को दिनांक 5 जून से होने वाले पौधरोपण के पूर्व साइट विजिट करवाया गया, जिसमें नगर पालिका सीधी की मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, उपयंत्री बी के तिवारी, पीडीएमसी इंजीनियर अंकित सिंह, सिटी मिशन मैनेजर संदीप मिश्रा, मनोज कुमार चौबे, सीओ दिलीप विश्वकर्मा सहित सुहानी, खुशी, छवि, राधे राधे, विष्णु, जिया, ड्रीम स्व सहायता समूहों के सदस्यों की उपस्थिति रही।

सीधी में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर 'जन कल्याण पर्व' का आयोजन प्रारम्भ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आज दिनांक 27 मई 2025 से संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर ''जन कल्याण पर्व'' के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह के निर्देशन में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत कार्यक्रम के प्रभारी प्रो. विनोद कुमार साकेत ने किया। उन्होंने मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के पत्र का उल्लेख करते हुए छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि आज से शुरू होकर तीन दिवसीय प्रतियोगिता जिसमें निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष ने लोकमाता देवी अहिल्या बाई के जीवन के कारुणिक घटनाओं से अवगत कराते हुए बताया कि अपने जीवन के अत्यंत विकट परिस्थितियों के बावजूद वे विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वयं को स्थापित किया।

प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि ऐसे आयोजनो में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को भाग लेना चाहिए। आज तथा आगामी दिवसों में होने वाली प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग ले और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा किए गए कार्यों एवं उनके आदर्शों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें।

ऐसे आयोजन में भाग लेने से सभी को बहुत सारी सीख मिलती हैं तथा जीवन को सुमार्ग की तरफ अग्रसर करने की सीख प्राप्त होती है। सभी को ऐसे आयोजनों में अवश्य भाग लेना चाहिए।उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में करें भर्ती : उप मुख्यमन्त्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत पदों की भर्ती में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यूजी/पीजी सीट्स के अपग्रेडेशन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों में सीट वृद्धि के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही आवश्यक उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया को भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के सभी मापदंड निर्धारित समय में पूरे किए जा सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नियमित फॉलो-अप कर कार्यों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यह भी निर्देश दिए कि ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिंदी में एमबीबीएस के लिए आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता मेडिकल कॉलेज में सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन 31 मई तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि सतना जिले की विभिन्न शासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यवसायों जैसे विद्युतकार, फिटर, डीजल, मैकेनिक, मोटर व्हीकल्स, मैकेनिक ट्रैक्टर, मशीनिष्ट, टर्नर, बेल्डर, वुडवर्क टेक्नीशियन, कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क मेंटनेंस, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, सोलर टेक्निशियन (डीएसटी) एवं फैशन डिजायनिंग एण्ड टेक्नालाजी में प्रवेश के लिए 1 मई से आनलाइन पोर्टल www.dsd.mp.gov.in के माध्यम से प्रारंभ की जा चुकी है।

प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी स्वयं अथवा आनलाइन केन्द्रों के माध्यम से प्रवेश के लिए 31 मई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन से संबंधित समस्याओं के लिए ग्राहक सेवा के मेल आईडी mpiticounseling2025@gmail.com में सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अलावा संस्था स्तर पर संस्था के प्रवेश प्रभारी एसएन पाण्डेय मोबाइल नम्बर 9981388939, प्रशिक्षक अधीक्षक वायके अग्निहोत्री मो. 7828358049 तथा संस्था स्तर पर गठित प्रवेश सेल/हेल्पडेस्क से संबंधित मो. 9713623073, 8962164238 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। संस्था में 8वीं पास आवेदक वुडवर्क टेक्नीशियन एवं वेल्डर ट्रेड में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

शांति समिति की बैठक 2 जून को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि दिनांक 07.06.2025 को ईदुज्जुहा एवं दिनांक 06.07.2025 को मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण मनाये जाने के संबंध में दिनांक 02.06.2025 को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है।

उन्होंने सभी संबंधितों को सूचित किया है कि नियत तिथि एवं दिनांक पर बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने किया जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सतना का निरीक्षण किया और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण संबंधी कार्यालय द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवा निवृत्त कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी, इन्द्रकुमार सिंह सहित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर ने सुनी 140 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 140 आवेदकों से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम एलआर जांगडे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 43 आवेदन

कलेक्टर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 43 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सुन्दरकाण्ड का हुआ पाठ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयोजक अमित चक्रधर सिंह सरपंच ग्रामपंचायत सिंतलहा, अध्यक्ष सरपंच संघ जवा के आयोजकत्व में महीने के प्रत्येक अंतिम मंगलवार को , आत्म कल्याण एवं जन कल्याण के निमित्त होने वाले दिव्य अनुष्ठान श्री सुंदरकांड का पाठ आज श्री दुअ रा नाथ मंदिर में बहुत ही धूम धाम के साथ संगीत मय लय के साथ सम्पन्न हुआ। पुजारी गौतम जी ,मुन्ना जी सहित पूरे क्षेत्र के प्रभु प्रेमी गण उपस्थित रहे। रामबक्स जी के भजन ने सबका मन मोह लिया।समाजसेवी,जनप्रतिनिधि, चक्रधर सिंह जवा ने सभी पधारे हुए सभीभक्त गणों ,जन मानस का आत्मीय आभार व्यक्त किया और अगले जून माह के अंतिम मंगलवार को इसी जगह सुबह 8 बजे पधारने की अपील की।

वंचित बच्चों को तलाशने सर्वे जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में गठित साथी यूनिट अंतर्गत शिक्षा के अधिकार, शाला त्यागी व निराश्रित बच्चों को चिन्हित करने के लिए सोमवार से जिलेभर में अभियान चलाया जा रहा है। यूनिट सड़कों या बाल देखभाल संस्थानों में रहने वाले उन बच्चों की पहचान करेगी, जिनके पास आधार नहीं है।

विचार

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के दाखिले पर रोक का ट्रम्प का अटपटा निर्णय

उच्च शिक्षा, वास्तव में, एक ऐसा प्रमुख अमरीकी निर्यात है जहां इसका लाभ उठाने वाले विदेशी छात्र अमरीकी समुदायों में रह कर न केवल अपनी शैक्षिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं बल्कि अमरीकी छात्रों की शिक्षा और विश्वविद्यालय के अनुसंधान में भी आर्थिक योगदान देते हैं। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के एक संगठन के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान 1.1 मिलियन से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने अमरीकी अर्थव्यवस्था में लगभग 43 बिलियन डालर का योगदान दिया, जिसमें से अधिकांश राशि ट्यूशन, भोजन, पुस्तकों और आवास पर खर्च की गई।

इसके विपरीत, अमरीकी छात्र अक्सर विश्वविद्यालयों या अन्य संघीय कार्यक्रमों से सीधे वित्तीय सहायता (सबसिडी) प्राप्त करते हैं और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में काफी कम फीस अदा करते हैं जबकि विदेशी छात्र अपने अमरीकी समकक्षों की तुलना में लगभग डेढ़ गुना अधिक फीस देते हैं। इसे यूं भी कह सकते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों द्वारा अदा की जाने वाली उच्च ट्यूशन फीस अमरीकी छात्रों को कम फीस में पढ़ाई करना संभव बनाती है। कुछ सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्र पढ़ाई की जो फीस देते हैं वह नियमित ट्यूशन फीस से भी अधिक होती है।

ऐसे हालात के बीच अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक अप्रत्याशित फैसले में अमरीका के अग्रणी हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी है जिसे शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही प्रभावी करना होगा। इससे इस विश्वविद्यालय में पढने वाले 800 भारतीयों सहित अन्य देशों के लगभग 7000 छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। ट्रम्प सरकार की आंतरिक सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने 22 मई को एक आदेश जारी करके हार्वर्ड विश्वविद्यालय पर ङ्क्षहसा, यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा देने और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ सहयोग करने का आरोप लगाते हुए हार्वर्ड के 'स्टूडैंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम सर्टीफिकेशन' को समाप्त करने का आदेश दे दिया।

इस फैसले को लेकर जहां विदेशी छात्र समुदाय में भारी नाराजगी व्याप्त है, वहीं हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रैजीडैंट 'ऐलन गार्बन' जोकि स्वयं एक यहूदी हैं, ने अगले ही दिन 23 मई को ट्रम्प प्रशासन के फैसले के आगे सरैंडर न करने का ऐलान करते हुए बोस्टन की संघीय अदालत में उक्त फैसले के विरुद्ध याचिका दायर कर दी जिसके बाद अदालत ने ट्रम्प प्रशासन के उक्त आदेश के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी है।

उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड अमरीका का प्राचीन (अक्तूबर 1636 में स्थापित हुआ था), प्रमुख और सबसे अमीर विश्वविद्यालय है जिसकी सम्पत्ति 53.2 बिलियन अमरीकी डालर से भी अधिक है। हार्वर्ड के सामने मौजूद गंभीर खतरों के बिना भी, अमरीकी शिक्षा संस्थान ट्रम्प प्रशासन द्वारा अनुसंधान आदि पर लगाई गई कटौतियों तथा आव्रजन सम्बन्धी बंधनों के कारण देश में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की कमी से जूझ रहे थे।हार्वर्ड को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने से रोकने की ट्रम्प प्रशासन की धमकी से इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के एक चौथाई से अधिक छात्रों का बाहर हो जाने का खतरा पैदा हो गया था। ऐसे 53 कालेज हैं जहां विदेशी छात्र 50 से 20 प्रतिशत तक हैं।

या भारत के पास शक्तिशाली बनने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा है? आखिर यों और कैसे?

कमलेश पांडे

जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भारतीय हिंदू समाज की एकता का आह्वान करते हुए यह कहा है कि भारत को इतनी सैन्य और आर्थिक शक्ति से संपन्न बनाया जाए कि दुनिया की कई शक्तियां मिलकर भी उसे जीत न सकें, तो पहला सवाल यही उठता है कि या भारत के पास पावरफुल बनने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है? या भारत, रूस-अमेरिका-चीन के प्रेम और युद्ध त्रिकोण में अपनी अव्यवहारिक नीतियों-सामरिक रणनीतियों की वजह से बुरी तरह से घिर चुका है, जो उसके पाकिस्तान-बंगलादेश सरीखे जलनशील पड़ोसियों को उकसाते रहते हैं? ऐसा इसलिए कि चीन-पाकिस्तान-बंगलादेश की शह पर कभी श्रीलंका, कभी मालदीव, कभी यामांर, कभी नेपाल, कभी अफगानिस्तान, कभी भूटान आदि पड़ोसी देश भी भारत विरोधी एजेंडे के तहत कार्य करते हुए देखे सुने जाते हैं।

कभी लोकतंत्र की आड़ में अमेरिका अंडरवर्ल्ड को, माओवादी वामपंथ के नाम पर चीन नक्सलियों को और गजवा-ए-हिन्द के नाम पर पाकिस्तान-बंगलादेश अपने अरब देशों या दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के शह पर आतंकवादियों को मदद देते रहते हैं, जो भारत में नशा के कारोबार, फार्मा ड्रग्स के धंधे और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा देने के साथ-साथ यहां कत्लेआम मचाते रहते हैं, ताकि हिन्दू समाज भयभीत और कमजोर होता रहे। वहीं, तमाम विदेशी ताकतें विविधता में एकता की मिसाल समझे जाने वाले हिंदुओं के खिलाफ कभी जातीय युद्ध और कभी धार्मिक युद्ध के हालात पैदा करते रहते हैं। इसके लिए ये लोग यहां के बहुदलीय लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल करने से भी गुरेज नहीं करते और यहां की क्षेत्रीय और भाषाई भावनाओं को भी भड़कवाते रहते हैं। वहीं, दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि भारतीय प्रशासन के पास इन स्थितियों से निबटने के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं है, क्योंकि वह इस्लामिक और ब्रिटिश नीतियों को ही थोड़े फेरबदल के साथ लागू करके चलने को अभिशप्त है। देखा जाए तो इसके लिए विभाजनकारी सोच वाली भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति और उस पर बना हुआ संविधान भी कम जिम्मेदार नहीं है। आलम यह है कि कभी जिन नीतियों के लिए जनसंघ, भाजपा, आरएसएस व उसके मातहत संगठन कांग्रेसियों, वामपंथियों, समाजवादियों आदि को कोसा करते थे, आज एनडीए की आड़ में उन्हीं नीतियों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति %कमजोर% हुई है और वैश्विक, राष्ट्रीय और सूबाई अंतर्विरोध बढ़े हैं।

इन सब बातों के दृष्टिगत जब कभी भी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मुंह खोलते हैं और गौ हत्या, आरक्षण, जातीय जनगणना, राष्ट्रवाद, स्वदेशी, हिंदुत्व आदि सुलगते हुए मुद्दों पर बोलते हैं तो आरएसएस की विवशता और दिशाहीनता उजागर हो जाती है। क्योंकि जिन मुद्दों को लेकर उसका गठन 100 साल पहले किया गया था, उसके राजनीतिक मुखौटों ने कॉन्वेंट एजुकेटेड भारतीय नौकरशाहों-न्यायविदों-उद्योगपतियों की सलाह पर उसे भटका दिया है। ऐसे में जब वह ईसाइयों और मुस्लिमों के बाद दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी वाले हिंदुओं को लक्षित करके यह कहते हैं कि जब हिंदू ताकतवर होंगे, तभी दुनिया उनकी परवाह करेगी, तो कुछ गम्भीर सवाल का उठना लाजिमी जाता है।

पहला, भारतीय राष्ट्रवाद को जब देशी पूंजीपतियों के माध्यम से विदेशी पूंजीपतियों के यहां गिरवी रखा जा रहा था तो इसकी मुखालफत आरएसएस ने क्यों नहीं की? दूसरा, पिछली तीन पारियों से केंद्र में भाजपा काबिज है, फिर भी हिन्दू समाज को मजबूत करने वाले जाति-भाषा-क्षेत्र विरोधी कानून क्यों नहीं बनवाए गए? तीसरा, मोहन भागवत के बहुतेरे ऐसे बयान गिनाए जा सकते हैं, जिससे उनके वैचारिक अंतर्विरोधों का खुलासा होता है और स्पष्ट प्रतीत होता है कि वह विशाल हिन्दू समुदाय के हित की भाषा नहीं, बल्कि कथित तौर पर धर्मनिरपेक्ष भारत सरकार के लिए सत्ता संतुलन बनाने और जन असंतोष को दूर करने के लिए सेफ्टी वॉल्व का काम कर रहे हैं।

आखिर कभी कांग्रेस भी तो गोरे अंग्रेजों के लिए ऐसा ही किया करती थी और आज भागवत भी काले अंग्रेजों के पक्ष में ऐसा ही करने के दोषी समझे जा रहे हैं। यह बात उन्हें या उनके चमचों को बुरी लग सकती है, लेकिन साँच को आंच क्या? वहीं, जिस तरह से हाल ही में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शक्ति के साथ सगुण और धर्म-निष्ठा भी जुड़ी होनी चाहिए, क्योंकि सिर्फ क्रूर बल दिशाहीन होकर अंध हिंसा में बदल सकता है।

बता दें कि भागवत ने आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर को दिए एक इंटरव्यू में कहा है कि, %देश की सीमाओं पर दुष्ट शक्तियों की कुटिलता हम लगातार देख रहे हैं, इसलिए भारत के पास शक्तिशाली बने रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।% उससे आगे उन्होंने यह भी कह दिया कि हिंदू जब ताकतवर होंगे, तभी दुनिया उनकी परवाह करेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि हिंदुओं को ताकतवर बनाने के लिए उन्हें अनिवार्य सैन्य शिक्षा देने की पहल उन्होंने क्यों नहीं करवाई! उन्होंने हिंदुओं को उद्यमी बनाने के सार्थक प्रयत्न क्यों नहीं करवाए। क्योंकि जाति-भाषा-क्षेत्र विहीन हिन्दू समाज की वकालत आखिर क्यों नहीं की? और कि भी तो उसपर उसकी सरकारों ने अमल क्यों नहीं किया? उनकी सरकारों ने हिंदू विरोधी पाकिस्तानियों-बंगलादेशियों के अस्तित्व क्यों नहीं समाप्त करवाए, जो पूरी दुनिया में हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करते रहते हैं।

हालांकि, देर आयद दुरुस्त आयद की तरह मोहन भागवत ने यह कहा है कि, %हमें शक्ति के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। जैसा कि हम अपनी दैनिक प्रार्थना में गाते हैं- %अजय्यां च विश्वस्य देहीश शक्तिम्% यानी हमें ऐसी शक्ति दीजिए कि संसार में हम अजेय रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को अपनी रक्षा के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होना चाहिए। सच्ची शक्ति अंत:स्थ होती है। हमें अपनी रक्षा स्वयं करने में सक्षम होना चाहिए। कोई भी हमें जीत न सके, चाहे कई शक्तियां एक साथ क्यों न आ जाएं। जैसा कि उन्होंने चेताया है कि, %दुनिया में ऐसी दुष्ट शक्तियां हैं जो स्वभाव से ही आक्रामक हैं। इसलिए शक्ति के साथ धर्म का समन्वय जरूरी है। सिर्फ ताकत होगी तो वह दिशाहीन होकर अंध हिंसा में बदल सकती है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि, %हमें सद्गुण और शक्ति-दोनों की पूजा करनी चाहिए। सज्जनों की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए हमारी शक्ति का यही स्वभाव होना चाहिए। जब कोई विकल्प न बचे तो दुष्टता को बलपूर्वक नष्ट करना ही पड़ता है। हमारा उद्देश्य विश्व व्यापार पर प्रभुत्व जमाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई शांतिपूर्ण, स्वस्थ और समर्थ जीवन जी सके। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि क्या वैश्विक मानवाधिकार समर्थक पड़ोसी देशों में हिंसा और शोषण झेल रहे हिंदुओं की चिंता करते हैं? इस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले कि स्वार्थ भूलकर धार्मिक मूल्यों पर चलें। दरअसल, आरएसएस के शताब्दी वर्ष में अपने संदेश में भागवत ने कहा है कि, %हमारा संकल्प है- सारे हिंदू समाज को एकजुट करना और भारत को गौरव-शिखर पर पहुंचाना, फिर इस ट्रांसफॉर्मेशन को पूरे विश्व तक विस्तारित करना। इसलिए हिंदुत्व आधारित धार्मिक मूल्यों पर चलें।% वहीं, भागवत ने यह भी कहा है कि 卐चूंकि कृषि, औद्योगिक और वैज्ञानिक क्रांतियां हो चुकी हैं। इसलिए अब विश्व को एक धार्मिक कांति की जरूरत है। इसलिए मैं यहां धर्म के संकीर्ण अर्थ की नहीं, बल्कि सत्य, पवित्रता, करुणा और तपस्या पर आधारित मानव जीवन के पुनर्गठन की बात कर रहा हूं। भागवत ने ठीक ही कहा है कि कोई तभी हिंदुओं की फिक्र करेगा जब हिंदू समाज स्वयं मजबूत होगा। चूंकि हिंदू समाज और भारत एक-दूसरे से जुड़े हैं। इसलिए हिंदू समाज को गौरवशाली स्थिति से ही भारत को गौरव मिलेगा।

अधिकांश युवाओं के पास नौकरियां क्यों नहीं हैं?

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) क्षेत्र पर हाल ही में दो रिपोर्ट आई हैं, एक भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (एस.आई.बी.डी.आई.) की और दूसरी नीति आयोग की। दोनों ही आधिकारिक रिपोर्ट हैं। इसके अलावा, असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण(ए.एस.यू.एस.ई.) भी है।

बुनियादी तथ्य, विशेषताएं - सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) क्षेत्र के बारे में कौन से बुनियादी तथ्य इन दोनों रिपोर्टों से प्राप्त किए जा सकते हैं?

वर्तमान वर्गीकरण के तहत, सूक्ष्म उद्यमों में निवेश सीमा 2.5 करोड़ रुपए तक और कारोबार सीमा 10 करोड़ रुपए तक है; लघु उद्यमों में 25 करोड़ रुपए तक और 100 करोड़ रुपए तक है; और मध्यम उद्यमों में 125 करोड़ रुपए तक और 500 करोड़ रुपए तक है। इस वर्गीकरण से यह स्पष्ट हो जाएगा कि भारत में कुछ हजार उद्यमों को छोड़कर बाकी सभी उद्यम एम.एस.एम.ई. हैं।

एम.एस.एम.ई. की कुल संख्या का वितरण माइक्रो के पक्ष में है। हिस्सेदारी माइक्रो-98.64 प्रतिशत; लघु-1.24 प्रतिशत; और मध्यम-केवल 0.12 प्रतिशत है।

स्वामित्व में प्रोपराइटरशिप (59 प्रतिशत), भागीदारी (16प्रतिशत), एल.एल.पी. (1 प्रतिशत), प्राइवेट लिमिटेड कंपनी (23प्रतिशत) और पब्लिक लिमिटेड कंपनी (1 प्रतिशत) शामिल हैं। भारत में लगभग 7,34,00,000 एम.एस.एम.ई. हैं। इनमें से लगभग 6,20,00,000 मार्च 2025 तक उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत हैं।

एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में लगभग 24 प्रतिशत (लगभग 30 लाख करोड़ रुपए) का ऋण अंतर है; सेवा उप-क्षेत्र में यह अंतर 27 प्रतिशत है और

महिला स्वामित्व वाले उद्यमों में यह 35 प्रतिशत है।

एम.एस.एम.ई. ने 2023-24 में भारत के व्यापारिक निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान दिया। कुल मिलाकर, 2024-25 में निर्यात करने वाले एम.एस.एम.ई. की संख्या 1,73,350 थी (जो एम.एस.एम.ई. की कुल संख्या का 1 प्रतिशत का अंश है)। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख सामान में रेडीमेड गार्मैंट, रत्न और आभूषण, चमड़े के सामान, हस्तशिल्प, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और ऑटो कंपोनैंट हैं। एक को छोड़कर सभी कम तकनीक वाले सामान हैं।

एम.एस.एम.ई. के लिए ऋण सहायता योजनाओं और विकास योजनाओं की भरमार है। रिपोर्ट पढ़ते हुए, मैंने कम से कम 2 सबसिडी योजनाओं, 4 क्रैडिट गारंटी योजनाओं और कम से कम 13 विकास योजनाओं की गिनती की। 2025-26 के बजट में पहली बार उद्यमियों के लिए एक योजना और एक क्रैडिट कार्ड योजना की घोषणा की गई। इसने एक नए फंड ऑफ फंड्स, एक डीप टेक फंड ऑफ फंड्स और एक नए स्ट्रीट वेंडर्स निधि (पी.एम. स्वनिधि) की भी घोषणा की।

एम.एस.एम.ई.रोजगार सृजन का प्राथमिक स्रोत है। यह दावा किया जाता है कि इस क्षेत्र द्वारा सृजित कुल रोजगार लगभग 26 करोड़ है। नौकरियां हैं, व्यक्ति नहीं- अब, आइए इस निबंध के मुख्य प्रश्न पर आते हैं। एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों में, रिपोर्ट सूचीबद्ध करती है - कुशल श्रमिकों की कमी, कौशल अंतराल और प्रतिभा को आकर्षित करने में कठिनाई। ये निष्कर्ष देश में बेरोजगारी की पूरी कहानी बताते हैं। यह मानना उचित है कि बड़े उद्योग (जिनमें 125 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और 500 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार है) उच्च शैक्षणिक योग्यता और उच्च कौशल वाले व्यक्तियों को रोजगार देते हैं, जो कि अधिकांश बेरोजगारों के पास नहीं है। दूसरी ओर, एम.एस.एम.ई. को श्रमिकों की आवश्यकता है; फिर भी, यदि उनके पास श्रमिकों की कमी है और प्रतिभा को आज़र्षित करने में कठिनाई है, तो क्यों? खेदजनक लेकिन अपरिहार्य निष्कर्ष यह है कि, सबसे पहले, नौकरियों के लिए आवेदकों के पास नौकरियों को भरने के लिए शिक्षा या कौशल नहीं है और, दूसरी बात, उद्यम की संरचना या पारिश्रमिक के कारण प्रस्तावित नौकरियां आकर्षक नहीं हैं।

संरचनात्मक तथ्यों और रोजगार परिणामों का मिलान करके, यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि भारत के युवाओं में उच्च बेरोजगारी क्यों है।

*अप्रैल 2025 में भारत की जनसंख्या 146 करोड़ थी।

*श्रम बल भागीदारी दर (एल.एफ.पी.आर.) जनसंख्या का वह प्रतिशत है जो या तो काम कर रहा है या सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहा है। यह 55.6 प्रतिशत या लगभग 81 करोड़ है।

*श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यू.पी.आर.) कुल जनसंख्या में कार्यरत लोगों के अनुपात को परिभाषित करता है। यह 52.8 प्रतिशत या लगभग 77 करोड़ है।

*बेरोजगार व्यक्तियों की पूर्ण संख्या अंतर है, अर्थात, 4 करोड़। यह एक बड़ी संख्या है, लेकिन याद रखें, यह 'सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश' करने वालों की संख्या से बाहर है। ऐसे कई लाखों लोग हैं जिन्होंने विभिन्न कारणों से रोजगार की तलाश छोड़ दी है।

*आधिकारिक बेरोजगारी दर 4 करोड़/81 करोड़ है जो 5.0 प्रतिशत के बराबर है।

17 एकड़ भूमि में बढ़ी सिंचाई सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। किसान की मेहनत सफल तभी हो सकती है जब किसान के पास समय पर सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो। ग्राम पंचायत बरदर में नाले के किनारे रहने वाले कई किसानों के पास सिंचाई का संसाधन न होने से उन्हें अपने खेतों से मनचाहा लाभ नहीं मिल पाता था। गांव के किनारे बहने वाले नाले से पूरा बारिश का पानी बहकर आगे हसदेव नदी में जाकर मिलता था और उसके बाद गर्मी आते तक वह नाला पूरी तरह से जल विहीन हो जाता था।

बारिश में खेतों मे कटाव करके बहने वाली बारिश का पानी बाद में सिंचाई तो दूर उनके पशुओं के लिए पेयजल भी नहीं दे पाता था। लेकिन बीते वित्तीय वर्ष में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बनाए गए एक पक्के चेक डेम से अब गांव का एक कोना हर मौसम में हरा भरा रहता है। यहां आधा दर्जन किसान पंपों के सहारे अपने 17 एकड़ से अधिक खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हुए दो फसलें और तीन फसलें तक लेने लगे हैं। मई की तपती गर्मी में भी बरदर के दर्जन भर किसानों के खेतों में उड़द की फसल लहलहा रही है।

जिले के जनपद पंचायत खड़गवां का एक ग्राम पंचायत बरदर है। यहां गांव के किनारे से एक मोरघनिया नाला बहता है। यह एक बरसाती नाला हैं जिसमे बारिश में तो पर्याप्त जल रहता था। लेकिन बारिश खत्म होने के बाद से इसमें जल कम होने लगता था और गर्मी आते तक यह पूरी तरह से सूख जाता था। इस नाले को नरवा विकास के तहत चयनित कर इसका सर्वे किया गया और उपयुक्त जगह पर गत वर्ष एक पक्का चेक डेम बनाया जाना प्रस्तावित किया गया।

ग्राम सभा से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार कार्य की स्वीकृति प्रदान करते हुए ग्राम पंचायत बरदर को निर्माण एजेंसी बनाया गया। तकनीकी सहायक राहुल की देखरेख में ग्राम पंचायत ने समय सीमा में कार्य को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा किया। इस कार्य से एक हजार से ज्यादा मानव दिवस का रोजगार भी ग्रामीणों को प्राप्त हुआ। चेक डेम बन जाने के बाद यहां बड़ी मात्रा में जल संचय किया जा रहा है। चेकडेम से पीछे लगभग एक किलोमीटर तक बैकवाटर होने से आस पास का जल स्तर बेहतर हो रहा है। साथ ही किसानों को अपनी फसलों में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल भी उपलब्ध हो पा रहा है।

मोरघनिया नाले में बने चेक डेम से ग्राम पंचायत में रहने वाले किसान सत्यनारायण, फागुनाथ सिंह, राजकुमार, बलदेव, बाबूलाल, राजकिशुन, सुरेश और शिवप्रसाद जैसे कुल 20 किसानों के लगभग 17 एकड़ से अधिक भूमि में दो फसली सिंचाई सुविधा बढ़ गई है। इन किसानों ने बताया कि पहले सूख जाने वाले नाले में चेकडेम बन जाने से सिंचाई की दिक्कत समाप्त हो गई हैं अब हम अपनी मर्जी से फसलों की बुआई करके अच्छा लाभ कमा रहे हैं।

वर्तमान में इस चेक डेम से लगी भूमि से लगभग दस एकड़ में उड़द और सब्जी की फसल लगी हुई है। इसके पहले किसानों ने धान और गेहूं की भरपूर फसल लेकर अच्छा मुनाफा कमाया है। कुल मिलाकर एक संसाधन से कई घरों में जीवन की शैली और स्तर में परिवर्तन साफ नजर आ रहा है। ऐसे में महात्मा गांधी नरेगा के तहत बने एक पक्के चेक डेम ने उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में परिवर्तन लाना आरंभ किया है।

नशीली दवाइयों की बिक्री पर खाद्य एवं औषधि विभाग ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर नशीली दवाइयों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश भर में निरंतर छापामार कार्रवाइयां की जा रही हैं। विभाग में पदस्थ औषधि निरीक्षकों द्वारा मेडिकल स्टोर्स का सतत् निरीक्षण करते हुए शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की अनिवार्यता का भी परीक्षण किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में लगे कैमरों के फुटेज की भी गहनता से जांच की जा रही है। इसी क्रम में जिला दुर्ग में पदस्थ खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा थाना पुलिस के संयुक्त दल द्वारा की गई छापेमारी में नशीली दवाइयों की अवैध खरीद-बिक्री में संलिप्त पाए जाने पर एक मेडिकल संचालक सहित चार व्यक्तियों के विरुद्ध नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंसेस अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

इसी प्रकार, जिला सरगुजा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर गर्भपात कराने वाली औषधियों के अवैध व्यापार में संलिप्त मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा नियमावली 1945 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। विगत सप्ताह औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मुंगेली, बलौदाबाजार, महासमुंद, बालोद, रायपुर, कोंडागांव, रायगढ़, कोरबा, सुकमा, जांजगीर-चांपा तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों में स्थित विभिन्न औषधि प्रतिष्ठानों से कुल 22 औषधियों के नमूने संकलित कर रायपुर स्थित कालीबाड़ी राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त, धमतरी, बस्तर, दुर्ग, बिलासपुर, महासमुंद, बेमेतरा, कोरबा एवं गरियाबंद जिलों के औषधि निरीक्षकों द्वारा कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के समीप स्थित पान दुकानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कुल 171 चालान काटे गए, जिसमें 10,380 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए नशीली दवाओं की अवैध बिक्री एवं औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु यह सतत अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

कलेक्टर ने विभागों को समस्याओं के त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज की जनदर्शन में कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए।

इस जनदर्शन में आवेदक मतीन अहमद निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, द्वारिका सिंह निवासी धवलपुर सीमांकन नही किये जानें के संबंध में, रामनाथ निवासी लाई भूमि के संबंध में, कृष्णा कुमार निवासी बिछियाटोला केल्हारी तहसील में लगे आवेदन पर आपसी बटवारा करवाने के संबंध में, राजू तिवारी निवासी बिछियाटोला सचीव के द्वारा योजनाओं की जानकारी नही दिये जाने के संबंध में, विजय प्रसाद निवासी केराडोल फॉरेस्ट विभाग के द्वारा बिना सूचना के मकान को ध्वस्त कर मकान में रखें समान का नुकसान करने के संबंध में, संतोष कुमार निवासी तितौली कैंसर की बीमारी का ईलाज करवाने के संबंध में, मोहम्मद तालिब हुसैन निवासी मनेन्द्रगढ़ विद्युत कनेक्शन प्रदाय कराये जाने के संबंध में, जमालूद्दीन प्रकरण के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारी को आदेशित किये जाने के संबंध में, एम.पी. पाण्डेय निवासी मनेन्द्रगढ़ सुशासन तिहार 2025 हेतु दिनांक 11 अप्रैल 2025 को प्रेषित करने के संबंध में, अमित कुमार राय निवासी नागपुर सुशासन तिहार में किये गयें शिकायत के संबंध में, गेराराम कूजुर निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, शिव प्रसाद निवासी पोंडी रास्ता दिलाये जाने के संबंध में, देवकली निवासी नागपुर स्वत्व भुगतान के संबंध में, हंस नारायण सिंह निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, दशमतिया निवासी सेमरा भूमि के संबंध में, अमोल सिंह निवासी डंगौरा भूमि के संबंध में, समस्त आवास मित्रों के मानदेय के संबंध में, मोले दीवान निवासी मनवारी पत्तल व्यावसाय हेतु ऋण प्रदाय के संबंध में, एकेडेमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ पेयजल आपूर्ति के संबंध में, सुकवरीया निवासी लाई आवास पूर्ण करने के संबंध में, ललित यादव निवासी चिरईपानी भूमि के संबंध में, उदित नारायण सिंह स्थानांतरण के संबंध में, संतोष राव निवासी मनेन्द्रगढ़ फोर व्हीलर गाड़ी बिना निविदा निकाले आदिवासी विकास विभाग में लगाने की शिकायत के संबंध में, राजकुमार निवासी झगराखाण्ड विकलांग सहायता के संबंध में, शिवप्रसाद सिंह निवासी डुगला शासकीय उचित मूल्य दुकान को निरस्त करने के संबंध में, शिवप्रसाद सिंह निवासी डुगला भूमि के संबंध में, समारू सिंह निवासी बुंदेली भूमि के संबंध में, जनपद सदस्य निवासी खड़गवां निर्माण कार्य स्वीकृति देने के संबंध में, अजय राय निवासी पेन्ड्री बन्दोबस्त त्रुटि सुधार के संबंध में, दृगपाल सिंह निवासी चरवाही भूमि के संबंध में अपनी शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे।

कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 74 आवेदकों की सुनी समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जनसुनवाई में 74 शिकायतें सुनीं। जिले के प्रजापति (कुम्हार) जाति को अनुसूचित जाति की सूची के सरल क्र. 35 पर विलोपित कुम्हार जाति को पुनः जोडने हेतु मांग को लेकर राममिलन प्रजापति के नेतृत्व में कलेक्टर को पत्र सौंपा। पृथक नव गठित जिला मऊगंज से कुम्हार जाति को अनुसूचित जाति को अनुसूचित जाति की सूची के सरल 35 से विलोपित कर दिया गया है। जिससे प्रजापति समाज का जाति प्रमाण पत्र नही बन रहा है। जाति प्रमाण पत्र के आभाव से कुम्हार समाज के छात्र/छात्राओं का प्रवेश किसी भी शिक्षण संस्थान में नही हो रहा है। साथ ही शासन की अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ भी जाति प्रमाण पत्र के आभाव में नही मिल पा रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर जल्द निराकरण की बात कही। संतोष गौतम बरांव निवासी ने शासकीय नहर नाली पर अतिक्रमण का आवेदन दिया। जिससे लगभग 300 एकड भूमि का रकबा अंसिचित रह गया है। चैन कमाक 45 के पास पुल बनाकर नहर गहरी कराने से नाली में पानी जाना बंद हो गया है। कलेक्टर ने तत्काल निराकरण करने के निर्देश सिंचाई विभाग को दिए । मऊगंज कलेक्टर संजय जैन ने आवेदनों का तत्काल मौके पर निराकरण किया और शेष को संबंधित विभागों को भेज दिया। जनसुनवाई में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन के साथ एसडीएम बीपी पांडे के अलावा खाद्य विभाग प्रभारी जसराम जाटव, शिक्षा, राजस्व, बैंक, महिला बाल विकास सहित स्वास्थ्य और सहकारिता से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान निलंबित

रीवा. नगर निगम क्षेत्र अन्तर्गत प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार वार्ड क्रमांक 15 (अ) की दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश तांडेकर से प्राप्त जानकारी के अनुसार उचित मूल्य दुकान के विक्रेता रमाकांत गुप्ता द्वारा निर्देशों की अवहेलना करने तथा हितग्राहियों के ईकेवायसी न किये जाने के फलस्वरूप दूकान को निलंबित कर दिया गया है। उपभोक्ताओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए निलंबित दुकान को श्रीराम प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार वार्ड क्रमांक 15 (ब) से सम्बद्ध कर दिया गया है।

चेकडेम से बदल रही है दर्जन भर स्थानीय कृषकों की तकदीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल संरक्षण और संवर्धन के लिए उपयुक्त स्थान पर बनी संरचनाएं मेहनतकश किसानों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो रही हैं। इस बात का ज्वलंत उदाहरण है ग्राम पंचायत शिवपुर के पुसौर नाले में बना हुआ एक बहुपयोगी चेकडेम। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनपद पंचायत खड़गंवा का एक दूरस्थ ग्राम पंचायत है शिवपुर यहां पुसौर नामक एक बरसाती नाला है जो गांव के मध्य से बहता हुआ हसदेव नदी में जाकर मिलता है। पुसौर नाले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत गत वर्ष बने इस चेकडेम के निर्माण के बाद से स्थानीय किसानों के जीवन स्तर में तेजी से बदलाव आ रहा है।

पहले केवल परंपरागत फसलों के लिए बारिश और प्रकृति पर निर्भर रहने वाले मेहनतकश आदिवासी किसान अब हजारों रुपए की सब्जी का उत्पादन कर अपनी आर्थिक तरक्की कर रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व अपर आयुक्त मनरेगा ने अपने भ्रमण के दौरान भी यहां किसानों से संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया था। ग्राम पंचायत शिवपुर में बहने वाले पुसौर नाले का लाभ केवल बारिश के मौसम में ही मिल पाता था, क्योंकि बारिश खत्म हो जाने के बाद से इसमें बहुत कम मात्रा में पानी का बहाव रह जाता था। ऐसे में इसके आस-पास बसने वाले किसानों के लिए यह उपयोगी साबित नहीं हो रहा था।

दो वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत में लेबर बजट बनाए जाने के दौरान ग्रामीणों ने ग्राम सभा में पुसौर नाले में स्थायी संरचना बनाने के लिए मांग रखी और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार एक तकनीकी प्रस्ताव बनाकर जिला पंचायत प्रेषित किया गया। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा इस कार्य हेतु 18 लाख 92 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति का आदेश जारी करते हुए ग्राम पंचायत शिवपुर को ही निर्माण एजेंसी बनाया गया। तकनीकी सहायक राहुल दास के देखरेख में समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा कराया गया। इस चेकडेम के बन जाने से लगभग एक किलोमीटर तक जल रुकने लगा है और इससे सिंचाई का लाभ लेते हुए आस पास के दर्जन भर किसानों के जीवन में बदलाव आया है। ग्राम पंचायत के रहवासी और इस चेकडेम से अपने लगभग चार एकड़ खेतो में सिचाई का सीधा लाभ ले कर 25 ट्रेक्टर तरबूज बेच चुके किसान श्यामलाल आत्मज मंगल ने बताया कि उनकी आमदनी अब दोगुनी हो चुकी है। पहले खेती करने में सिंचाई को लेकर बहुत दिक्कतें आती थी। पर चेकडेम बन जाने से हर माह 4 से 5 हजार रूपए सब्जी बेचकर आमदनी हो जाती है।

इस बार तरबूज की फसल बढ़िया हुई है। अभी खीरा, बैंगन, लौकी जैसी अनेक सब्जी खेतों में लगी है और हर दिन फसल हो रही है। इस सिंचाई का सीधा लाभ आस पास के 26 किसानों को मिल रहा है और गांव के देव रंजन, सेमलाल, दयाराम, हिरदन, शिवनारायण, सुंदर सिंह, बुद्धू, मंगल, शिवशंकर, ज्ञान सिंह, भूपेन्द्र, जगनारायण, शिवनारायण आत्मज तिलकधारी, देवनारायण, गनपत जैसे किसानों की कुल 30 एकड़ से ज्यादा भूमि अब सिंचाई सुविधा से हरी भरी हो चली है। सभी के जीवन स्तर में बदलाव आया है।

रीवा/सतना की खबरें

संतुलित उर्वरकों के उपयोग से बढ़ती है पैदावार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर किये गये प्रयोगों से यह बात साबित हो चुकी है कि खेतों से अधिकत्तम उत्पादन प्राप्त करने के लिये उर्वरकों के संतुलित व समन्वित उपयोग की जरूरत होती है न कि उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल की। एक ही तरह के उर्वरकों का उपयोग करने से फसलों को उचित पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे खेतों की उर्वरा शक्ति क्षीण हो जाती है। इसलिये कृषकों को मिट्टी की प्रकृति को ध्यान में रखकर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिये। ऐसा करके किसान उर्वरकों की खपत काफी कम कर सकते हैं और अपना आर्थिक बोझ भी कम कर सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार फसलों में उर्वरकों के उपयोग से पहले यह जानना जरूरी है कि मिट्टी की प्रकृति कैसी है अर्थात मिट्टी भारी है या हल्के किस्म की। ऐसा इसलिये आवश्यक है क्योंकि जब भूमि में उर्वरकों का उपयोग किया जाता है तब उसका बहुत बड़ा भाग मिट्टी की निचली सतह में बहकर चला जाता है , जिसका फसल में कोई उपयोग नहीं हो पाता। बालुई या हल्की मिट्टी में नत्रजनधारी उर्वरक जैसे सोडियम नाइट्रेट, कैल्शियम नाइट्रेट आदि का रिसाव चिकनी मिट्टी की अपेक्षा अधिक होता है। इसलिये हल्की मिट्टी में नत्रजनधारी उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये, अन्यथा फसलों को जरूरत के मुताबिक उर्वरक प्राप्त नहीं होंगें और उत्पादन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार उर्वरकों को हमेशा पौधों की जड़ों के आसपास देना चाहिये। जमीन के ऊपर उर्वरक बिखेरने से वह पौधों की जड़ों तक नहीं पहुंच पाते। नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों को एक बार में न देकर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में फसल की आवश्यकतानुसार दो या तीन बार में देना चाहिये। साथ ही उर्वरक देते समय भूमि में नमी होना भी आवश्यक है, क्योंकि पौधों की जड़ें घोल के रूप में पोषक तत्व ग्रहण करती हैं। खड़ी फसलों में उर्वरकों का प्रयोग पानी में घोलकर करना चाहिये। नत्रजन, स्फुर व पोटाश जैसे यूरिया, डीएपी व पोटेशियम सल्फेट को पानी में घोलकर खड़ी फसलों में दिया जा सकता है। जैविक खादों जैसे गोबर खाद, कम्पोस्ट अथवा हरी खाद के प्रयोग से भी रासायनिक उर्वरकों की खपत कम की जा सकती हे। कृषि विशेषज्ञ किसानों को यह भी सलाह देते हैं कि फसलों को जितने पानी की आवश्यकता हो उतनी ही सिंचाई करें अर्थात खेतों को अनावश्यक रूप से जलमग्न नहीं करना चाहिये। ऐसा करने से उर्वरक पानी के साथ रिसकर जमीन में नीचे बह जाते हैं। खड़ी फसल में उर्वरकों का प्रयोग तब करना चाहिये जब खेत पांव सहन करने लगें। साथ ही खरपतवारों को निकालकर उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिये अन्यथा वे भी उर्वरकों से पोषक तत्व ग्रहण कर लेते हैं और उत्पादन क्षमता घट जाती है। उर्वरकों का उपयोग मृदा के पीएच मान के आधार पर ही करना चाहिये, क्योंकि सभी उर्वरक हर प्रकार की जमीन में उपयुक्त नहीं होते।

रासायनिक उर्वरकों के संतुलित मात्रा में उपयोग की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को फसलवार उपयोग में आने वाले उर्वरकों की संतुलित मात्रा के उपयोग की सलाह दी गई है। उप संचालक कृषि कल्याण यूपी बागरी ने कहा कि उर्वरकों के बढ़ते मूल्यों को देखते हुए फसलों की अधिक पैदावार लेने के लिए यह आवश्यक है कि रासायनिक उर्वरकों का सतुलित और सही मात्रा में प्रयोग हो। वर्तमान में यूरिया और डीएपी का प्रचलन बढ़ गया है, जो केवल नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस के अलावा अन्य पोषक तत्वों को प्रदान नहीं करते। इन उर्वरकों के लगातार प्रयोग से मिट्टी में पोटाश एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों आदि की कमी संभावित है। पोटाश का फसल के स्वास्थ्य एवं गुणवत्ता से सीधा सबंध है तथा इसके उपयोग के फलस्वरूप पौधा सुदृढ़ होकर रोग-बीमारियों से कम प्रभावित होता है तथा दानों की चमक में भी वृद्धि होती है, जिसके कारण अच्छा बाजार भाव प्राप्त होता है। काम्पलेक्स उर्वरकों में नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व पाये जाते हैं। इसी प्रकार एसएसपी में फास्फोरस के साथ-साथ सल्फर एवं कैल्शियम तत्व भी पाया जाता है। अतः काम्पलेक्स एवं एसएसपी उर्वरकों का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खरीफ फसलों की बोनी का कार्य शीघ्र प्रारंभ होने वाला है। उर्वरकों की उपलब्धता एवं समन्वित उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए उगाये जाने वाली प्रमुख खरीफ फसलों हेतु उपलब्धता के अनुसार लगने वाले उर्वरकों की मात्रा की गणना कर उर्वरक समूहों के रूप में विकल्प तैयार किये गये हैं ताकि इस जानकारी के प्रयोग से कृषकों को उर्वरक उपलब्धता के अनुसार विकल्प चयन करने में सहायता होगी तथा संतुलित उर्वरकों का उपयोग भी हो सकेगा।

सब्जी उत्पादन कर उमाकली ने सुदृढ़ की अपनी आर्थिक स्थिति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के हनुमना विकासखण्ड में माजन गांव की रहने वाली उमाकली ने सब्जी उत्पादन कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया साथ ही वह कृषि सखी बनकर अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित कर रही हैं। उमाकली एकल परिवार में रहकर अपने पति के साथ कृषि मजदूरी कर पहले अपना जीवन यापन करती थीं। उनका व उनके परिवार का भरण पोषण बमुश्किल ही हो पाता था। दो वर्ष पूर्व उमाकली म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वसहायता समूह से जुड़ गई तथा ऋण लेकर सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने अन्य किसानों की 3 एकड़ भूमि में वटाई पर कृषि एवं सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। खेत से उगाई गई सब्जी को स्थानीय बाजार एवं व्यापारियों को विक्रय कर अब उमाकली प्रतिमाह 15 हजार रूपये तक की कमाई कर रही है। इनका परिवार खुशहाल है और अब यह अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की समझाइश देते हुए कृषि सखी का काम भी बखूबी कर रही हैं।

डेयरी व्यवसाय ने उमा मिश्रा को बनाया आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जनपद रीवा की रहने वाली उमा मिश्रा गरीबी में अपना जीवन यापन करती थीं। उनके पति लकवा ग्रस्त हैं तथा आर्थिक स्थिति ठीक न होने से बड़ी मुश्किल से अपने घर परिवार व बच्चों की परवरिश कर पा रही थीं। उमा मिश्रा स्वसहायता समूह से जुड़कर अब डेयरी व्यवसाय से अपनी खुशहाल जिंदगी जी रही है। उमा बताती हैं कि मेरे पति लकवाग्रस्त हैं जिससे वह कुछ काम नहीं कर पाते। मैंने म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वसहायता समूह से जुड़कर एक भैंस खरीदी और दूध का व्यवसाय शुरू किया। इसके बाद मैंने दो गाय खरीदकर डेयरी को आगे बढ़ाया। मेरा व्यवसाय अब अच्छे से चल रहा है और मैं प्रतिमाह 18 हजार रूपये से अधिक की आमदनी कर रही हूँ। इसके साथ ही उमा मिश्रा कृषि का कार्य भी कर रही हैं। उन्होंने कृषि के साथ पशुपालन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। वह वैज्ञानिक तरीके से कृषि को लाभ का धंधा बनाने के उद्देश्य से कार्य कर रही हैं। उमा कहती हैं कि मैं अब आत्मनिर्भर हूँ। मेरा परिवार खुशहाल है। मैं अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी कर रही हूँ।

हरियाणा में एक परिवार के 7 लोगों ने सुसाइड किया

चंडीगढ़/पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला में सोमवार देर रात कर्ज से परेशान परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सभी लोग घर के बाहर खड़ी गाड़ी में थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां एक व्यक्ति जिंदा मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। परिवार पंचकूला के मनसा देवी कॉम्प्लेक्स में किराए के मकान में रह रहा था। मरने वालों में प्रवीण मित्तल, उनकी पत्नी रीना, मां विमला, पिता देशराज, जुड़वां बेटी हिमशिखा, दलिशा (11) और बेटा हार्दिक (14) है। प्रवीण मित्तल ने देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का कारोबार शुरू किया था। वहां उसे घाटा हो गया। सभी सोमवार को बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री की कथा में गए थे। वहां से लौटते हुए इन्होंने ये कदम उठाया। गाड़ी से एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें लिखा है, मैं बैंकरप्ट हो चुका हूं। सुसाइड नोट में जिन लोगों का जिक्र है, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। प्रवीण का परिवार मूल रूप से हिसार के बरवाला का रहने वाला था। उसके ममेरे भाई संदीप ने कहा कि प्रवीण पर 20 करोड़ का कर्ज था। उसे जान से मारने की धमकियां मिल रहीं थी। इससे पहले उसकी हिसार में स्क्रैप फैक्ट्री भी कर्ज न चुकाने पर बैंक ने जब्त कर ली थी।

जो मेरा विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे-बृजभूषण

अयोध्या/गोंडा (एजेंसी) ।नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद बृजभूषण सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर 1000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद वे हनुमानगढ़ी पहुंचे और हनुमान जी के दर्शन-पूजन किए।

बृजभूषण बोले- मैंने कहा था कि अगर मेरे ऊपर लगे आरोप साबित हो जाते हैं, तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। कोर्ट के फैसले ने मेरी उस बात को सही साबित कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा 11 बजे तक मुख्यमंत्री बनने वाले थे, लेकिन संत्री भी नहीं बन पाए। आम आदमी पार्टी का तो सत्यानाश हो गया।

मेरा जो भी विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमान जी का भक्त हूं। जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे थे, वही कभी मुझे कुश्ती का भगवान%कहते थे। एक गीत मैं उन्हीं लोगों के लिए कहना चाहता हूं- कभी पास आके वो इतना बता दें, मुझे सता कर क्या मिला?

अयोध्या एयरपोर्ट से कार्यकर्ताओं के साथ बृजभूषण हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने दर्शन-पूजन किया।

अयोध्या में दर्शन-पूजन करने के बाद बृजभूषण गोंडा लौट गए। उनके साथ गाड़ियों का काफिला भी था। गोंडा में वह सबसे पहले नंदिनी नगर स्थित नंदिनी माता मंदिर पहुंचे।

कर्मचारियों के हित में है प्रदेश का हित, प्रदेश के हित में राष्ट्र का हित-मु यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार को मंत्रालय परिसर में मंत्रालय कर्मचारी परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया। मंत्रालय परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कमल पुष्प की रजत प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यकर्मी सम्मान और साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि इनकी कर्मठता और सामूहिक परिश्रम से ही मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। राज्यकर्मी सच्चे अर्थों में कर्म योगी है। ये प्रदेश की शासन और प्रशासन व्यवस्था की धुरी हैं। राज्यकर्मी पूरी निष्ठा और मेहनत से अपने पदीय दायित्व निभाएं, इनके सभी हितों और अनुलाभों (इंसेंटिव्स) का सरकार पूरा-पूरा ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को क्रमशः भरने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जल्दी ही सभी रिक्त पद भरे जाएंगें। पदोन्नति वाले मसले पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से सभी जरूरी कदम उठा रही है। जल्द ही मामले का सकारात्मक समाधान निकालकर पात्रों को पदोन्नति दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी राज्य कर्मचारियों का बीमा कराने की मंशा से आगे बढ़ रही है। सरकार की मंशा है कि सभी राज्य कर्मियों के खुद के मकान भी हों। राज्य कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने में सरकार मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर कर्मचारी-अधिकारी की क्षमता और योग्यता का पूरा लाभ लेंगे और प्रदेश की बेहतरी के लिए उसका सदुपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यकर्मी शासन

व्यवस्था का अभिन्न अंग है इसलिए इनके हित संवर्धन के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में प्रदेश का हित है और प्रदेश के हित में ही राष्ट्र का हित है।कार्यक्रम के संयोजक श्री सुभाष वर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन देकर केन्द्र सरकार के समान राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता व अन्य सभी कर्मचारी हितैषी निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया और अपना मांग पत्र भी सौंपा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन एवं भारत माता के चित्र पर मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्रालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय परिवार द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया और यात्रा को उसके गंतव्य स्थल की ओर रवाना किया।कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, क्षेत्रीय विधायक श्री भगवान दास सबनानी के अलावा श्री कुलदीप गुर्जर, श्री घनश्याम दास भकोरिया, श्री संजय राठौर, श्री जी.पी. सिंह सहित मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारी संघों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में मंत्रालय के कर्मचारी बन्धु उपस्थित थे।

कांग्रेस बोली- प्रेम चोपड़ा-परेश रावल जैसे डायलॉग मार रहे मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति

कर रहे। पवन खेड़ा ने कहा;-

पीएम मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है। गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे हैं। क्या यही एक गंभीर नेता का व्यवहार होता है? कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार की विध्वंसकारी विदेश नीति के कारण हम अलग-थलग हो गए हैं। हमारी विदेश नीति का नतीजा ये है कि नेपाल-भूटान भी हमारे साथ नहीं खड़े हुए। जबकि संघर्ष के दौरान चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, मोदी सरकार की विदेश नीति का नतीजा ये है कि कुवैत ने पाकिस्तान पर से वीजा पाबंदियां हटा दी हैं।

राष्ट्रपति भवन में सेकंड फेज के पद्म पुरस्कारों का वितरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में दूसरे फेज के पद्म अवॉर्ड्स दे रही हैं। इनमें लोकगायिका स्वर्गीय डॉ. शारदा सिन्हा समेत 68 हस्तियों को सम्मानित किया जा रहा है। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद हैं। मंगलवार को हुई अवॉर्ड सेरेमनी में बिहार की दिवंगत लोक गायिका डॉ. शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राम मंदिर आंदोलन में शामिल रहीं साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्य के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

इससे पहले 28 अप्रैल को पहले चरण की अवॉर्ड सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। इनमें 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिए गए। सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। इनमें शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 13 हस्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

सीएम उमर कैबिनेट मीटिंग के लिए पहलगाम क्लब पहुंचे

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी) ।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कैबिनेट मीटिंग के लिए पहलगाम क्लब एंड कन्वेंशन सेंटर पहुंच चुके हैं। यह पहली बार है जब उमर सरकार के इस कार्यकाल में श्रीनगर या जम्मू के बाहर कैबिनेट मीटिंग करेंगे।

मीटिंग का एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम के लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए सरकार ने वहां मीटिंग करने का फैसला किया है। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद से पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। सीएम ने टूरिज्म सेक्टर को फिर से पटरी पर लाने के लिए 24 मई को दोहरा दृष्टिकोण प्रस्तावित किया था। उन्होंने केंद्र से कश्मीर में सरकारी कंपनियों और पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठकें करने का निर्देश देने की अपील की थी।

सीएम ने 2009 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान उत्तर कश्मीर के गुरेज, माछिल, तंगधार और जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ सेक्टर जैसे दूरदराज इलाकों में कैबिनेट की बैठकें की थीं।

राहुल गांधी के खिलाफ याचिका खारिज

वाराणसी (एजेंसी)। आज राहुल गांधी की ओर से एडवोकेट अनुज यादव कोर्ट में मौजूद रहे थे। राहुल गांधी पर भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। 19 मई को जज ने ऑर्डर सुरक्षित रख लिया था। एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने 12 मई को याचिका में दावा किया कि भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसी साल 21 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन पहुंचे थे। यहां पर ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ उनका एक सेशन था।यहां राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को पौराणिक बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था।

हरिशंकर पांडेय ने कहा- राहुल गांधी ने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल

उठाकर देश की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

राहुल गांधी राम द्रोही हैं। उनकी सरकार ने राम मंदिर का विरोध किया और वह विदेश में जाकर भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं।

एडवोकेट ने कोर्ट से मांग करते हुए कहा- राहुल के इन स्टेटमेंट पर केस दर्ज किया जाए। जिला और सत्र न्यायालय की एमपी-विधायक कोर्ट ने आवेदन देखने के बाद एडवोकेट को 19 मई डेट दी थी। इस दिन सुनवाई हुई और कोर्ट ने ऑर्डर रिजर्व रख लिया।

राहुल गांधी से पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसी होनी चाहिए? क्या महात्मा गांधी के विचारों को इसके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है?

इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा था- भारत के सभी महान सुधारक और विचारक, जैसे बुद्ध, गुरु नानक, गांधी और अंबेडकर बिना भेदभाव के रहे। ये लोग क्षमाशील, दयालु और सहिष्णु थे। मगर, बीजेपी का दृष्टिकोण हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व नहीं, नफरत फैलाने वाला है।

5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान के मॉडल को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी करेगा। एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया।

बारिश-बिजली से केरल और महाराष्ट्र में 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में 24 मई को मानसून की दस्तक के बाद लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। बारिश-लैंडस्लाइड के चलते 29 घर ढह गए, 868 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं। आईएमडी ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां बारिश के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की आशंका है। वहीं, महाराष्ट्र में सोमवार को दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मुंबई में लगातार बारिश के कारण पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 26 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। मुंबई और ठाणे में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मुंबई में सोमवार को मानसून ने तय समय से 16 दिन पहले दस्तक दी थी। पहले ही दिन अंधेरी, भांडुप, पवई में बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। लोकल ट्रेन और फ्लाइट्स भी प्रभावित हुईं। वर्गी अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 14 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने की वजह से अगले चार दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून और मुंबई में 11 जून को पहुंचता है।

मधुमक्खियों के डंक से बेहोश हुए आईएएस अफसर

ललितपुर (एजेंसी)। ललितपुर में मधुमक्खियों ने आईएएस कमलाकांत पांडेय को इस कदर डंक मारे कि वह बेहोश होकर जंगल में गिर पड़े। उनकी ऐसी हालत देखकर गनर चंद्रपाल सिंह उनसे लिपट गया। फिर मधुमक्खियां गनर पर टूट पड़ीं, जिससे वह भी बेहोश हो गया। थोड़ी देर बाद (राजस्व) अंकुर श्रीवास्तव ग्रामीणों के साथ कंबल ओढ़कर उन्हें ढूंढते हुए पहुंचे। देखा तो चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर कमलाकांत पांडेय और गनर जमीन पर पड़े थे। सीडीओ का मुंह मिट्टी में धंसा था। उन्हें कंबल ओढ़ाकर तुरंत चारपाई पर लादा, फिर एक किमी पैदल चलकर जंगल से बाहर निकाला। उन्हें ट्रैक्टर से एम्बुलेंस तक पहुंचाया गया, जहां से उन्हें अस्पताल भेजा गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

देश में कोरोना से 11 की मौत, 1047 एटिव केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1047 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 208, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं।

वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से नौ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।

ओवैसी ने एआईएमआईएम आर्मी चीफ को जोकर बताया

कुवैत (एजेंसी)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कुवैत में पाकिस्तानी के आर्मी चीफ को स्टूपिड जोकर बताया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि नकल करने के लिए दिमाग की जरूरत होती है। लेकिन पाकिस्तान के पास वो भी नहीं है। ओवैसी ने कुवैत में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान कहा, 'कल पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ को एक फोटो दी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति वहां पर मौजूद थे और नेशनल असेंबली के स्पीकर भी वहां पर थे। ये स्टूपिड जोकर भारत के साथ में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। उन्होंने 2019 की चीनी सेना की ड्रिल की एक

फोटो दी थी, जिसमें दावा किया गया था कि यह भारत पर जीत है।'

पाकिस्तान भारत के खिलाफ धर्म का मुद्दा नहीं उठा सकता, क्योंकि भारत में पाकिस्तान से ज्यादा मुस्लिम आबादी है और भारतीय मुसलमान पाकिस्तान से कहीं ज्यादा ईमानदार और देशभक्त हैं।

ओवैसी बोले- पाकिस्तान को सीरियसली न लें ओवैसी ने कहा, 'अक्सर स्कूल में क्या होता था कि अच्छे पढ़ने वाले बच्चे के पास में जाकर बैठता था। तो नकल करने के लिए भी अक्ल चाहिए।

इन नालायकों को अकल भी नहीं है। आप खुद सोच सकते हैं कि आपके खुद के देश के प्रधानमंत्री, प्रेसिडेंट, स्पीकर ऑफ नेशनल असेंबली वहां पर मौजूद हैं। आपके सो कॉल्ड फील्ड मार्शल भी वहां पर थे। वह चीनी ड्रिल की एक फोटो दे रहे हैं। पाकिस्तान जो कुछ भी कह रहा है, उसे चुटकी भर नमक के साथ भी न लें।'

अमृतसर में ब्लास्ट, एक की मौत

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में मंगलवार सुबह हुए बम ब्लास्ट में एक शख्स की मौत हो गई। बम को ले जाते समय हुए धमाके में उसके हाथ-पैर उड़ गए। ब्लास्ट के बाद मौके पर आग भी लग गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह ब्लास्ट आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने कराया है और मरने वाला इसी संगठन से जुड़ा था। धमाके के बाद मौके पर पहुंचे पंजाब पुलिस की बॉर्डर रेंज के डीआईजी सतिंदर सिंह ने भी माना कि यह आतंकी घटना है। जिस शख्स की मौत हुई, वह हथियारों की खेप उठाने आया था। इसी दौरान धमाका हो जाने से उसके चीथड़े उड़ गए। डीआईजी ने कहा कि मरने वाले व्यक्ति की जेबों से कुछ सबूत मिले हैं। उसकी पहचान की जा रही है। वह किस आतंकी संगठन से जुड़ा था? यह भी पता लगाया जा रहा है। अमृतसर देहाती पुलिस के एसएसपी मनिंदर सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी एजेंसियां पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश में लगी हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज कब और कहां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अगले महीने 20 जून से शुरू हो रही है। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर सामने आई है। जियोहॉटस्टार ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकारी हासिल कर लिए हैं। 20 जून को लीड्स के हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज को अब जियोहॉटस्टार पर लाइव देख सकेंगे। वहीं सोनी के पास टेलीविजन प्रसारण अधिकार रहेंगे और वह अपने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीरीज का प्रसारण करेगा।

इस दौरे में भारतीय टीम इंग्लैंड के साथ पांच टेस्ट मैच खेलेगी। पहला टेस्ट 20जून को हेडिंग्ली में, दूसरा दो जुलाई को एजबेस्टन, तीसरा 10 जुलाई को लॉर्ड्स, चौथा 23 जुलाई को ओल्ड ट्रैफर्ड और पांचवां टेस्ट 31 जुलाई को द ओवल में खेला जाएगा। जियोहॉटस्टार पर टेस्ट, वनडे और टी20 मैच देख सकेंगे। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने 2031 तक चलने वाले आठ साल के सौदे के तहत 2023 में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की संपत्तियों के लिए विशेष भारत अधिकार हासिल किए।

गिल को शनिवार को भारत का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने पहली चुनौती इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

इस दौरे पर टीम को कोहली और रोहित जैसे दिग्गजों का साथ नहीं मिलेगा। पच्चीस साल के गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान होंगे। मंसूर अली खान पटौदी, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव और रवि शास्त्री ने उन से कम उम्र में देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व किया है।

इंग्लैंड दौरे से होगी भारतीय टीम के नये डब्लयूटीसी चक्र की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। ये सीरीज इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे 2025-27 के विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) चक्र की भी शुरुआत होगी।

इस सीरीज में भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना उतरेगी क्योंकि इन तीनों ने ही संन्यास ले लिया है। इस दौरे से एक खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम सामने आयेगी। शुभमन की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के बाद आगे भी भातरीय टीम को कई और मुकाबले खेलने हैं। डब्लयूटीसी के एक चक्र में किसी टीम को 6 सीरीज खेलनी होती हैं जिनमें 3 घरेलू और 3 विदेशी धरती पर खेली जाती हैं। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके बाद नवंबर में दक्षिण अफ्रीकी टीम भी 2 टेस्ट मैच खेलने भारत दौरे पर आएगी। वहीं साल 2026 में भारतीय टीम केवल 4 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त 2026 में भारतीय टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी, वहीं अक्टूबर 2026 में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। भारतीय टीम को 2027 में होने वाले (डब्लयूटीसी) चक्र का अंतिम मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया से ही खेलना होगा।

इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगी।

की सलाह खिलाड़ियों ने नहीं मानी, बीच मैदान में गुस्से में लाल हुए माही

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस पर 83 रन की विशाल जीत दर्ज कर आईपीएल 2025 अभियान का शानदार अंत किया। मैच से पहले बल्लेबाजी का फैसला चुनने के बाद पांच बार के चैंपियन ने 20 ओवरों में 230 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसमें डेवोन कॉनवे और डेवाल्ड ब्रेविस के बल्ले से अर्धशतकीय पारी निकली।

इसके बाद जीटी लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई और 147 रनों पर ढेर हो गई। मैच में हावी रहने के बावजूद एक ऐसा पल भी सामने आया, जब सीएसके के कप्तान एमएस धोनी अपने टीममेट पर गुस्सा हो गए।

दरअसल, 10वें ओवर के दौरान गुजरात ने शिवम दुबे के ओवर में 18 रन बनाए। साई सुदर्शन और शाहरुख खान की जोड़ी शानदार साझेदारी कर रही थी और मैदान पर लगातार चौके लग रहे थे। जैसे ही ओवर खत्म हुआ, एमएस धोनी निराश दिखे, क्योंकि उनके कोई भी सलाह और निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था। खास तौर से मथीशा पथिराना और शिवम दुबे से धोनी नाराज थे। जब रवींद्र जडेजा 11वां ओवर फेंकने आए और इस बार धोनी ने फील्ड में कुछ बदलाव किए और उनकी रणनीति तुरंत काम कर गई। ओवर की पहली ही गेंद पर जडेजा ने शाहरुख को अपने जाल में फंसाया। जिन्होंने एक शॉट खेला और शॉर्ट थर्ड मैन पर पथिराना को कैच दे बैठे।

तीन गेंदों के बाद जडेजा ने सुदर्शन को आउट किया। इस दौरान कमेंटेटरों ने तुरंत इस पाल को देखा और धोनी की शानदार कप्तानी के लिए उनकी सराहना भी की।

पोलैंड -ओरलेन मेमोरियल भाला फेंक में दूसरे स्थान पर रहे नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फैंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहला स्थान हासिल किया। नीरज इस स्पर्धा में लय में नहीं थे। वह अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका जिससे वह दूसरे स्थान पर आ पाये। वह अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में 81.28 मीटर और 81.80 मीटर तक ही भाला फेंक पाये। इसके अलावा उनके बचे हुए तीन प्रयास फाउल रहे थे। वहीं जर्मनी के वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी तक थ्रो के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया । ४०इ२१स मुकाबले में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 83.24 मीटर तक भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने पिछले साल 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर तक भाला फेंका था। उसके बाद ये पहली बार है जब नीरज किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का थ्रो कर पाये हैं। उन्होंने इस साल पहली बार दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका था।

सुरेश रैना की चेन्नई सुपर किंग्स में होगी वापसी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज चेन्नई सुपर किंग्स का अहम हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल की शुरुआत से इस टीम के साथ खेले। अब रैना रिटायर हो चुके हैं और कमेंट्री में व्यस्त हैं। आईपीएल 2025 में रविवार को चेन्नई और गुजरात के खिलाफ मैच में रैना ने लीग में वापसी को लेकर बड़ी बात कह दी। हालांकि, चेन्नई के कोच ने इस बात को लेकर जानकारी न होने की बात कही।

चेन्नई का आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शना नहीं रहा। ये टीम इस सीजन में सिर्फ चार ही मैच जीत सकी और प्लेऑफ में नहीं जा सकी। ये पहली बार है जब चेन्नई ने लीग का अंत प्वाइंट्स टेबल में आखिरी नंबर पर रहते हुए किया है। अब चेन्नई की नजरें अगले सीनज विजयी वापसी पर है। सुरेश रैना ने इस मैच के दौरान ऐसे संकेत दिए थे कि वह अगले सीजन चेन्नई में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, जब चेन्नई के स्पिन गेंजबाजी कोच एस श्रीराम से जब इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ नहीं जानते हैं। श्रीराम ने गुजरात के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, मुझे नहीं पता। अगर उन्होंने कहा है तो फिर उनसे पूछना पड़ेगा।

रोहित-कोहली के बाद अब इस खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाद अब घरेलू क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। गुजरात के पूर्व कप्तान प्रियांक पांचाल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने सोमवार को ये जानकारी दी। 35 वर्षीय पांचाल ने इंडिया ए की कप्तानी भी की है। उन्होंने 127 प्रथम श्रेणी मैच खेले और 29 शतक और 34 अर्द्धशतक के साथ 45.18 के औसत से 8,856 रन बनाए। दाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज ने अपने आखिरी मैच में 148 रन की पारी खेली थी। 97 लिस्ट ए

मैचों में पंचाल ने आठ शतक और 21 अर्द्धशतक के साथ 40.80 के औसत से 3,672 रन बनाए। 59 टी20 मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतक की मदद से 28.71 के औसत से 1522 रन बनाए।

प्रियांक पंचाल के संन्यास पर जीसीए सचिव अनिल पटेल ने एक बयान में कहा कि, गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन प्रियांक पांचाल को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई देता है। बल्लेबाज ने रविवार 26 मई 2025 को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है।

दाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांक ने कप्तान के रूप में इंडिया ए के लिए राष्ट्रीय टीम में खेला है। वह 17 से ज्यादा वर्षों तक घरेलू सर्किट में गुजरात क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए ओपनर बल्लेबाज के रूप में खूब रन बनाए।

सूर्यकुमार यादव के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार यादव ने जारी सीजन में 14 पारियों में 640 रन बनाए हैं। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने जारी सीजन में पांच अर्धशतक लगाए हैं।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मुंबई इंडियंस के लिए 2010 में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 618 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज सचिन का ये रिकॉर्ड 15 साल तक कायम रहा।

आईपीएल 2025 में भी सूर्यकुमार यादव ने एक सीजन में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे। सूर्यकुमार ने 605 रन बनाए थे। आईपीएल 2010 के बाद आईपीएल के चौथे सीजन में भी सचिन तेंदुलकर ने काफी रन बटोरे। उन्होंने उस सीजन में 553 रन बनाए।

बल्लेबाज लेंडल सिमंस ने 2015 में मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। सिंमस ने आठवें सीजन में 540 रन बनाए। मुंबई को पांच बार चैंपियन बनाने वाले पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने 2013 में मुंबई इंडियंस की टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे। रोहित ने 538 रन ठोके थे।

आईपीएल 2025 में 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हर सीजन बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगाया है। 2025 सीजन में अब तक का रिकॉर्ड बना, जिसमें 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जो टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की बढ़ती आक्रामकता को दिखाता है। इससे पहले, 2018 और 2023 में 8-8 खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की, जबकि 2013 और 2024 में 7-7 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा पार किया।

दरअसल 2025 सीजन में गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन 638 रन बना चुके हैं, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी 500 से ऊपर रन बना चुके हैं। सूची में तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 583 रन बनाए हैं। मिशेल मार्श 560 रन के साथ चौथे पायदान पर है। 559 रन के साथ यशस्वी जायसवाल सूची में पांचवें नंबर पर हैं। जबकि निकोल्स पूरन 511 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। विराट कोहली भी 505 रन बना चुके हैं। केएल राहुल 504, जोस बटलर 500 रन बना चुके हैं।

वहीं आईपीएल के 2018 सीजन में केएल राहुल (659 रन), डेविड वॉर्नर, और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसने उस सीजन को बल्लेबाजी के लिए यादगार बनाया। 2023 में गिल (890 रन) और कोहली (639 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया, और कुल 8 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा छुआ। इन सीजनों में बल्लेबाजों की निरंतरता और बड़े शॉट्स की रणनीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इतना ही नहीं 2013 सीजन में माइकल हसी और कोहली (634 रन) जैसे खिलाड़ियों ने 500 प्लन रन बनाए, जबकि 2024 में कोहली (741 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (583 रन) ने ऑरेंज कैप की दौड़ में 7 बल्लेबाजों को मुकाम तक पहुंचाया।

एंजेलो मैथ्यूज कहेगें टेस्ट क्रिकेट को अलविदा, सफेद गेंद में खेल जारी रखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 37 वर्षीय मैथ्यूज जून में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट के साथ अपने टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला खेलेंगे। यह मुकाबला 17 से 21 जून के बीच गॉल में खेला जाएगा। हालांकि, मैथ्यूज सफेद गेंद के प्रारूप यानी वनडे और टी20 क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ाते रहेंगे।

मैथ्यूज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, कृतज्ञ हृदय और अविस्मरणीय यादों के साथ अब समय आ गया है कि मैं खेल के सबसे अद्भुत प्रारूप, टेस्ट क्रिकेट से विदा लूं। बांग्लादेश के खिलाफ जून में पहला टेस्ट मेरे अंतरराष्ट्रीय टेस्ट करियर का आखिरी मैच होगा। मैथ्यूज ने आगे लिखा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट में कमान संभाले। मैं सिर्फ सफेद गेंद क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहूंगा।

मैथ्यूज के टेस्ट करियर पर एक नजर डाले को उनका टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2009 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और अब तक 118 टेस्ट मैचों में 8167 रन बना चुके हैं। वह

श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट की इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे केवल कुमार संगकारा (12400 रन) और माहेला जयवर्धने (11814 रन) हैं। उनके करियर में 14 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। मैथ्यूज एक उपयोगी मध्यम गति के गेंदबाज भी रहे हैं, जिन्होंने टेस्ट में 33 विकेट झटके हैं। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैथ्यूज के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें श्रीलंका क्रिकेट का असली सेवक बताया। बोर्ड ने कहा, 17 वर्षों तक आपके नेतृत्व, प्रतिबद्धता और प्रदर्शन ने हमें गौरवान्वित किया है। टेस्ट क्रिकेट में आपकी यादगार पारियां और जुनून ने कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। हम सफेद गेंद क्रिकेट में आपके भविष्य के योगदान की प्रतीक्षा करेंगे। मैथ्यूज के संन्यास के साथ ही श्रीलंका टेस्ट टीम एक नए युग में प्रवेश करेगी, जहां युवा खिलाड़ियों को अब बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी।

शासकीय स्कूल बना प्याज का गोदाम!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के ओढ़की खुर्द स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसने समूचे शिक्षा तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विद्यालय परिसर, जो बच्चों की शिक्षा का मंदिर होता है, उसे अब प्याज का गोदाम बना दिया गया है। कक्षा-कक्षों में जहाँ बच्चों को बैठकर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, वहां आज प्याज की बोरियाँ अटी पड़ी हैं। सूत्रों की मानें तो यह स्टॉकिंग खुद विद्यालय अध्यापक के निर्देश पर की गई है, जो यह दर्शाता है कि प्रशासनिक मनमानी और जवाबदेही का घोर अभाव है। गौरतलब है कि विद्यालय आगामी 15 जून से पुनः खुलने वाला है, लेकिन कक्षाओं की स्थिति ऐसी है कि वहां बच्चों के बैठने तक की जगह नहीं बची है। सवाल यह उठता है कि क्या अब नौनिहालों को प्याज की बोरियों पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करनी होगी?

अभिभावकों और ग्रामीणों में आक्रोशः विद्यालय की इस स्थिति से क्षेत्रीय अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कई अभिभावकों ने स्कूल परिसर में जाकर विरोध जताया और उच्च अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है।

नियमों का खुला उल्लंघनः यह कृत्य न केवल नैतिक रूप से गलत है बल्कि कई सरकारी नियमों एवं अधिनियमों का खुला उल्लंघन है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और शिक्षाप्रद वातावरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है। यहां पर सरकार के आदेश की अवहेलना तो की ही जा रही है, वहीं दूसरी ओर जनस्वास्थ्य को खतरे में डाला जा रहा है। यदि प्याज सड़ते हैं तो संक्रमण फैलने का खतरा भी है। मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशों के अनुसार - विद्यालय परिसर का उपयोग गैर-शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कार्यों के लिए प्रतिबंधित है।

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में: अब तक न तो जनपद शिक्षा अधिकारी और न ही खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से कोई संज्ञान लिया गया है। शिक्षा विभाग की चुप्पी से साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं अधिकारियों की भी मिलीभगत या लापरवाही सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों की मांगः प्रशासन से यह मांग है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध विभागीय एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में विद्यालयों को निजी हितों के लिए गोदाम न बनने दिया जाए। साथ ही, बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए विद्यालय परिसर को तुरंत खाली कर स्वच्छ और अनुकूल बनाया जाए।

जनसुनवाई में 73 आवेदकों की सुनी गई समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 73 आवेदकों की समस्यायें सुनी गई तथा संबंधित अधिकारियों को समाधानकारक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने जनसुनवाई करते हुए विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने के लिये प्रेषित किया।

जनसुनवाई में गोविंदगढ़ के निवासियों ने शमशान तक पहुंचमार्ग के अवरोध को दूर कराने का आवेदन दिया। तहसीलदार को मौका निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जगदीश प्रसाद निवासी मौजा मौहरा, अमरीश पाण्डेय निवासी टोला रामप्यारे रीठी तथा नंदकिशोर कुशवाहा लौआ लक्ष्मणपुर के सीमांकन के आवेदनों को संबंधित तहसीलदारों को प्रेषित कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार पारसनाथ सिंह सुमेदा के अधिगृहीत भूमि का मुआवजा दिलाये जाने के आवेदन को एसडीएम हुजूर को, जयप्रकाश दुबे जमुई निवासी के खतौनी की नकल के आवेदन को नकल शाखा को, बुद्धिलाल प्रजापति निवासी अतरैला के नकल की जांच कराने के आवेदन को तहसीलदार को कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पतौना निवासी महेन्द्र मिश्रा ने आंधी तूफान से हुई क्षति की पूर्ति कराने का आवेदन दिया। जिसे एसडीएम रायपुर कर्चुलियान को कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। इसी प्रकार मुन्नाकाल आदिवासी बौना 414 के फसल क्षति मुआवजा दिलाने के आवेदन को सीईओ त्योंथर जनपद को तथा रजनीश विश्वकर्मा पतेरी 346 के आवासीय भूमि से अनाधिकृत कब्जा हटाने के आवेदन को तहसीलदार हुजूर को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जगन्नाथ पटेल निवासी काशीनाथ टोला शिवपुर्वा ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने का आवेदन दिया जिसे एसडीएम गुढ़ को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। धर्मदास माझी बिछिया निवासी ने नल कनेक्शन प्रदाय का आवेदन दिया जिसे आयुक्त नगर निगम को कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया। अंजू कुशवाहा मझिगवां ने कोचिंग के नाम पर संचालक द्वारा राशि ठगी का आवेदन दिया। आवेदन को तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

जिंदा व्यक्ति को मृत घोषित कर गल्ला पर्ची से काट दिया नाम!

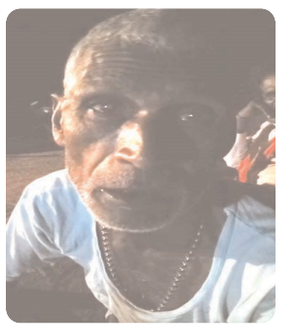

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम सुरवार में जिंदा व्यक्ति को मृत घोषित कर उसका गल्ला पर्ची से नाम काट दिया गया। गल्ला न मिलने से परेशान पीड़ित खुद सामने आकर अपने जिंदा होने का प्रमाण दे रहा है। यह मामला सिरमौर जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुरवार का है। जानकारी के मुताबिक रामराज यादव जो कि जिंदा है, लेकिन उनको मृत घोषित कर राशन पर्ची से नाम हटा दिया गया है। जो कि अपने आप में यह साबित करता है की कितनी बड़ी लापरवाही की गई है। जिसमे जनपद पंचायत सीईओ और सचिव या अन्य ने मामले की जांच भी करना उचित नहीं समझा और बकायदे रीजन भी लिख दिया कि फिजिकल जांच के बाद यह पाया गया कि व्यक्ति की मौत हो चुकी है। इस लापरवाही पर पीड़ित ने जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर से कार्रवाई की मांग करते हुये, पुनः खद्यान वितरण शुरू करने की मांग की है।

नियमों के उल्लंघन पर 73 यात्री बसों पर जुर्माना, 60 स्कूल बसें तब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा और यात्री नियमों के उल्लंघन के खिलाफ एक सख्त अभियान चलाते हुए बड़ा कदम उठाया है। नियमित जांच अभियान के अंतर्गत 73 यात्री बसों पर अनियमितताओं के चलते कुल 2,82,070 रुपये का जुर्माना वसूला गया है, वहीं 60 स्कूल बसों को बिना वैध दस्तावेजों के संचालन के चलते स्कूल परिसरों से जप्त किया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई स्कूलों की छुट्टियों के दौरान की गई, ताकि स्कूल बसों की निष्क्रिय अवस्था में जांच की जा सके। जांच के दौरान पाया गया कि कई स्कूल बसें बिना परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट और सुरक्षा मानकों के विरुद्ध खड़ी थीं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। इन बसों को स्कूल परिसर में जाकर जप्त किया गया और विधिवत पावती दी गई। परिवहन विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जप्त की गई बसों का संचालन दस्तावेज पूरे किए बिना किया गया, तो विद्यालय प्रबंधन पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन को लेकर ऐसी कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से की जाएगी। विभाग ने कहा कि बिना दस्तावेज चलने वाली बसें केवल नियमों का उल्लंघन नहीं करतीं, बल्कि यात्रियों और खासतौर से बच्चों की जान के लिए खतरा बन सकती हैं। इस सख्त कार्रवाई का स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने समर्थन किया है और इसे बच्चों की सुरक्षा के हित में एक आवश्यक कदम बताया है।

शादी में खर्च की रकम, बैंक से निकाला गया था आरोपी

बैंककर्मी से डकैती के चार आरोपी गिरफ्तार, बैंक के पूर्व कर्मचारी के भाई ने रची साजिश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में बैंक कर्मचारी से लूटपाट और डकैती के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 70 हजार रुपए नकद, टैबलेट, चार मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

दरअसल, बंधन बैंक के कर्मचारी सौरभ पुरवार, निवासी सतना, 19 मई को किश्त वसूली के लिए गुढ़ क्षेत्र के अमिरती गांव गए थे। वहां से ?77,900 नकद लेकर वापस लौटते समय बड़ी गोरगी मोड़ के पास आधा दर्जन बदमाशों ने उनकी बाइक रोक ली और पत्थर से हमला कर लूटपाट की।

गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव ने बताया कि घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुखबिरों की मदद से चार आरोपियों को पकड़ा गया है। आयुष तिवारी (20), निवासी धारविभा थाना गढ़, धीरज तिवारी (20), निवासी धारविभा गढ़, अनूप तिवारी (21), निवासी डिघवार थाना लौर मऊगंज, श्रवण सिंह (19), निवासी बेलवा पैकान थाना मनगवां।

पूर्व कर्मचारी का भाई निकला मास्टरमाइंडः थाना प्रभारी के अनुसार, मुख्य आरोपी आयुष तिवारी का बड़ा भाई बंधन बैंक में काम कर चुका है। वह पहले वसूली का काम करता था और कई बार आयुष को भी अपने साथ लेकर गया था। बैंक से निकाले जाने के बाद आयुष ने इसी रंजिश में लूट की योजना बनाई। उसे अपने भाई की शादी के खर्च के लिए पैसे की जरूरत थी।

लूट का पैसा शराब और शादी में उड़ायाः आरोपियों ने लूट की रकम में से 70 हजार रुपए बचाकर घर में छिपाए रखे थे। बाकी रकम शादी और शराब में खर्च कर दी। पुलिस ने बरामद रकम के साथ चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दो आरोपी अब भी फरारः पुलिस के मुताबिक, इस वारदात में छह लोग शामिल थे। अभी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

पति ने बीच सड़क पत्नी पर चाकू से किया हमला

लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर में मंगलवार दोपहर एक युवक ने ओवरब्रिज पर अपनी पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना सिविल लाइन थाना अंतर्गत ओवरब्रिज पर हुई, जहां गुड़िया साकेत नामक महिला पर उसके पति राजकुमार साकेत ने अचानक चाकू से कई वार कर दिए। वारदात के चलते ओवरब्रिज पर अफरातफरी मच गई और ट्रैफिक जाम हो गया।

हमले के बाद आरोपी ओवरब्रिज की सीढ़ियों से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मौके पर मौजूद राहगीरों ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने पहले उसकी जमकर पिटाई की, फिर पुलिस को सूचना देकर उसे उनके हवाले कर दिया।घायल महिला गुड़िया साकेत को तत्काल सतना जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। बताया जा रहा है कि पति ने उसके चेहरे पर कई गंभीर वार किए है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। कुछ समय पहले गुड़िया अपने पति और बच्चों को छोड़कर चली गई थी। लौटने के बाद दोनों के रिश्तों में और तनाव बढ़ गया था।

पुलिस ने आरोपी राजकुमार साकेत को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक 29 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक 29 मई को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बैठक में सभी सीईओ जनपद, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सहायक यंत्री, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी तथा सहायक लेखा अधिकारी सहित तकनीकी अमले को उपस्थिति के निर्देश दिये हैं।

जागरूकता और जल संरक्षण के लगातार हो रहे काम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन जागरूकता के लिए कलश यात्रा, जल गंगा यात्रा तथा जल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ-साथ परंपरागत जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और नई संरचनाओं का निर्माण भी लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि रीवा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत देवरा में महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों ने गांव की महिलाओं के साथ जल गंगा कलश यात्रा निकाली। जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी पूनम दुबे, ग्राम के सरपंच, सचिव तथा बड़ी संख्या में महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुईं। कार्यपालन यंत्री पीएचई ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा विकासखण्ड के ग्राम सिलपरी में नलजल योजना की पाइपलाइन में सुधार कराकर पानी की आपूर्ति शुरू कराई। कार्यपालन यंत्री ने ग्राम हर्दी में अनुसूचित जाति बहुल बस्ती में पाइपलाइन में सुधार कर पेयजल आपूर्ति शुरू कराई।

मऊगंज जिले की नईगढ़ी जनपद पंचायत के ग्राम अकौरी में उपयंत्री ने अरूण कुमार त्रिपाठी के द्वारा बनाए जा रहे खेत तालाब का निरीक्षण किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत खाम्हा में ट्यूबवेल और हैण्डपंप में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। इसी तरह जनपद पंचायत त्योंथर की ग्राम पंचायत कैथा में खेत तालाब का निर्माण कराया जा रहा है।

गाय बांधने के विवाद में पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से किया हमला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के महदेवा में मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे एक गंभीर घटना सामने आई। गाय बांधने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

घायल व्यक्ति की पहचान देवेंद्र शुक्ला (62) के रूप में हुई है। उनका पड़ोसी राजकुमार गौतम से गाय बांधने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि राजकुमार ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। चोट नाक के ऊपर लगी है। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, देवेंद्र शुक्ला की हालत स्थिर है।

पुलिस ने आरोपी राजकुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले भी छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता रहा है। मामले की जांच जारी है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा।

इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान किसानों को धान की सीधी बुआई, सोयाबीन फसल को रिजफेरो प्रणाली से लगाने तथा खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले में भ्रमण करने वाले दल में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली से जुड़े अधिकारी, प्रगतिशील किसान तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से दिए निर्देश

कलेक्टर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर विभिन्न विभागों के कार्यों तथा महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें। इसमें मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रयासों, एनीमिया पर नियंत्रण एवं टीकाकरण पर विशेष ध्यान दें। परामर्श दात्री समिति की भी हर माह बैठक आयोजित कर अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर उनकी कठिनाईयों का निराकरण करें। वनाधिकार अधिनियम के तहत दर्ज किए गए दावों में से अभी भी पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में दावे लंबित हैं। अधिनियम के तहत गठित समिति की बैठकें आयोजित कर इन दावों का निराकरण कराएं। पात्र व्यक्ति को भू अधिकार पत्र जारी करें तथा अपात्र के दावे अमान्य करें। अधिनियम के तहत सामुदायिक दावों पर भी समुचित कार्यवाही करें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आगामी वर्षाकाल में बाढ़ से बचाव एवं राहत के लिए समुचित तैयारी के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक जिले में दल गठित करके उनके भ्रमण का रूट चार्ट तैयार कर दें। अभियान का मंत्रीगणों, सांसद, विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से समारोहपूर्वक शुभारंभ कराएं। किसानों को विशेषज्ञ दल खेती के आधुनिक तकनीक, पराली प्रबंधन तथा कृषि विविधीकरण की जानकारी दें। खाद के संतुलित उपयोग तथा स्वाइल हेल्थ कार्ड के संबंध में भी किसानों को जागरूक करें। सभी जिलों में सड़क सुरक्षा समिति की हर माह बैठक आयोजित कर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, ब्लैक स्पॉट में सुधार तथा राहवीर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करें। अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठकों का भी नियमित आयोजन करें। इसमें राहत राशि के प्रकरणों को स्वीकृत करके पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान करें। समग्र पोर्टल में हितग्राहियों के ई केवाईसी सत्यापन तथा डुप्लीकेट के नाम पृथक करने की कार्यवाही भी संतोषजनक नहीं है। ई केवाईसी अपडेशन 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि ई आफिस प्रणाली 55 विभागों में लागू हो गई है। इससे समय की बचत होने के साथ फाइलों के निराकरण में तेजी आई है। इसे शीघ्र ही तहसील स्तर तक लागू किया जाएगा। सभी अधिकारी मिशन कर्मयोगी योजना तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को दक्षतावर्धन का प्रशिक्षण दिलवाकर उनकी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराएं। प्रदेश भर में 5 जून से एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू किया जा रहा है। कलेक्टर अन्य विभागों से समन्वय बनाकर वृक्षारोपण की तैयारी सुनिश्चित कर लें। इस वर्ष भी 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश के 10 प्रमुख पर्यटन स्थलों में इस दिन सार्वजनिक स्थलों पर योगाभ्यास के कार्यक्रम होंगे। जिला और विकासखण्ड स्तर तक योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्थानों का चयन करके समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी, खनिजों के अवैध खनन और परिवहन पर कार्यवाही तथा प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में निर्देश दिए गए।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, जीजा की मौके पर मौत, साली गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के उचेहरा थाना क्षेत्र में भूतेश्वरनाथ के पास परसमनिया-उचेहरा मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी साली गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान खाम्हा गांव निवासी शिव कुमार सिंह (23) पिता जयपाल सिंह के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, शिव कुमार अपनी साली वंदना सिंह के साथ उचेहरा से बाजार कर अपने गांव खाम्हा लौट रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों काफी देर तक मौके पर पड़े रहे। राहगीर बृजलाल सिंह, जयपाल सिंह और रामायण यादव ने घायलों को निजी वाहन से उचेहरा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही शिव कुमार ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल वंदना को उचेहरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक प्रीतम सहयोगी स्टाफ के साथ अस्पताल पहुंचे और मृतक के शव को मॉर्चुरी में रखवाया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।